संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -275 रविवार , 06 अगस्त 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

हम एएसआई सर्वेक्षण से संतुष्ट हैं,बाधा नहीं डालेंगे

मुस्लिम पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील मुमताज अहमद ने कहा कि वे एएसआई की सर्वे से संतुष्ट हैं...

लखनऊ,05अगस्त2023 (ए)। ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम ने शनिवार को अपने वैज्ञानिकों के साथ दूसरे दिन सर्वेक्षण किया। इस दौरान मुस्लिम पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील मुमताज अहमद ने कहा कि वे एएसआई की सर्वे से संतुष्ट हैं और प्रक्रिया में बाधा नहीं डालेंगे।

मुमताज अहमद ने कहा, हम एएसआई सर्वेक्षण से संतुष्ट हैं और हम सर्वेक्षण में बाधा नहीं डालने जा रहे हैं। कल तक, हम भाग नहीं ले रहे थे लेकिन आज हम भाग ले रहे हैं और एएसआई टीम की सहायता कर रहे हैं।

दूसरे दिन पहुंची सर्वेक्षण टीम

एएसआई सर्वेक्षण की एक टीम शनिवार को दूसरे दिन अदालत के आदेश पर काशी विश्वनाथ मंदिर से सटे ज्ञानवापी परिसर में पहुंची। कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह नौ बजे एएसआई की टीम ने वुजू खाना को छोड़कर सर्वेक्षण किया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच शुक्रवार को ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण शुरू हुआ, जिसने एएसआई को यह निर्धारित करने के लिए सर्वेक्षण करने की अनुमति दी कि क्या मस्जिद पहले से मौजूद मंदिर पर बनाई गई थी।

अब तक क्या हुआ?

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को मुस्लिम पक्ष अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया , जिसमें वाराणसी अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी। याचिका में एएसआई को %वुजू खाना% को छोड़कर, जहां पहले एक ÷शिवलिंग÷ थी, उस हिस्से का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गई थी। याचिका में पिछले साल उस हिस्से पर शिवलिंग पाए जाने का दावा किया गया था।

अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी ने वाराणसी जिला न्यायाधीश के 21 जुलाई के आदेश को चुनौती दी थी। 21 जुलाई को, वाराणसी जिला न्यायाधीश एके विश्वेशा ने 16 मई 2023 को चार हिंदू महिलाओं द्वारा दायर एक आवेदन पर ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वेक्षण का आदेश दिया। हालांकि, जिला न्यायाधीश के आदेश ने सर्वेक्षण की प्रक्रिया से वुजू खाना को बाहर कर दिया, जिस कॉम्प्लेक्स को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सील कर दिया गया है।

याचिका पर सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट की दलील

इससे पहले शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने एएसआई के वैज्ञानिक सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एएसआई ने स्पष्ट किया है कि पूरा सर्वेक्षण बिना किसी खुदाई और संरचना को कोई नुकसान पहुंचाए बिना पूरा किया जाएगा।

पीठ ने आदेश दिया कि वैज्ञानिक सर्वेक्षण की पूरी प्रक्रिया गैर-आक्रामक पद्धति से संपन्न की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ÷हम हाईकोर्ट के निर्देश को दोहराते हैं कि कोई खुदाई नहीं होगी।÷

पीठ ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने एएसआई के हलफनामे पर ध्यान दिया कि वह अपने सर्वेक्षण के दौरान कोई खुदाई नहीं कर रहा है और दीवार आदि के किसी भी हिस्से को नहीं छुआ जाएगा। अंजुमन इंतेज़ामिया मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें एएसआई को ज्ञानवापी परिसर में सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गई थी।

सुनवाई के दौरान, मस्जिद समिति की ओर से पेश वरिष्ठ वकील हुज़ेफ़ा अहमद ने सर्वेक्षण पर आपत्ति जताते हुए कहा कि अगर अब कोई आता है और यह कहते हुए तुच्छ याचिका दायर करता है कि इस संरचना के नीचे एक स्मारक है, तो क्या अदालत एएसआई सर्वेक्षण का आदेश देगी? इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने जवाब दिया, ÷जो आपके लिए तुच्छ है वह दूसरे पक्ष के लिए विश्वास है।÷

उत्तर प्रदेश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हाईकोर्ट के समक्ष एएसआई के हलफनामे में कहा गया है कि मौजूदा संरचना से कोई ड्रिलिंग, पत्थर की कटाई नहीं की जाएगी, कोई दीवार या संरचना क्षतिग्रस्त नहीं होगी और यह गैर-विनाशकारी विधि से किया जाएगा।

हुज़ेफ़ा ने कहा कि जब आप सर्वेक्षण करते हैं, तो यह अतीत के घावों को उजागर करने जैसा होता है और पूजा स्थल अधिनियम यही निषेध करता है। उन्होंने कहा, आप यहां अतीत के घावों को उजागर कर रहे हैं।

जस्टिस पारदीवाला ने हुज़ेफ़ा से कहा कि यह आश्वासन देने के बावजूद कि ढांचे को कोई नुकसान नहीं होगा, आप सर्वेक्षण का विरोध कर रहे हैं? पारदीवाला ने कहा, यह सर्वेक्षण एक रिपोर्ट के रूप में होगा। कल, यदि आप रखरखाव में सफल हो जाते हैं, तो यह सिर्फ कागज का टुकड़ा बनकर रह जाएगा, लेकिन सर्वेक्षण एएसआई द्वारा किया जाना चाहिए।

फिर गरजा प्रशासन का पीला पंजा

नूंह,05 अगस्त 2023 (ए)। हरियाणा के नूंह में धार्मिक शोभायात्रा के दौरान उठी हिंसा की चिंगारी अभी तक ठंडी नहीं हुई है। हरियाणा के अलग-अलग जिलों में अभी भी माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। जिला प्रशासन ने हिंसा करने वालों पर कार्रवाई करते हुए बीते दिनों भी उनकी झौपड़ियों पर बुलडोजर चलाया था। इसी कड़ी में जिला प्रशासन ने शनिवार को भी अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया है।

शनिवार को प्रशासन ने सायरूगवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के पास अवैध दुकानें तोड़ी। इसके अलावा अवैध कब्जे भी खाली कराए हैं। नूंह प्रशासन की टीम शनिवार सुबह नलहार मंदिर के रास्ते में स्थित अस्पताल के ठीक सामने पहुंची और वहां अवैध कब्जों को हटााया।

ये कार्रवाई डिस्ट्रिक्ट टाउन प्लानर ने की है। प्रशासन ने 40 अवैध दुकानों को तोड़ा है। बता दें कि ये वही जगह है, जहां पर 31 जुलाई को हिंसा भड़कने के बाद गाड़ियां जलाई गई थीं और पत्थरबाजी हुई थी।

जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटने की चौथी बरसी पर

महबूबा मुफ्ती सहित कई नेता नजरबंद

श्रीनगर,05अगस्त 2023 (ए)। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने की आज आने की आज चौथी बरसी है। इस दौरान जम्मू कश्मीर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए हैं। धारा 370 हटाए जाने का लगातार विरोध कर रहे कुछ नेताओं को ऐहतियात के तौर पर नजरबंद किया गया है जिनमें पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती भी शामिल हैं। महबूबा की पार्टी ने सेमिनार के लिए सरकार से इजाजत मांगी थी लेकिन सुरक्षा कारणों का हवाल देते हुए अर्जी खारिज कर दी। महबूबा मुफ्ती ने ट्वीट करते हुए बताया कि उन्हें नजरबंद किया गया और उनके साथ पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता भी हैं,यह सब कुछ पांच अगस्त की मध्य राक्षि से क्रैकडाउन के नाम पर किया गया जिसमें हजारों की संख्या में पीडीपी कार्यकर्ताओं को अलग-अलग पुलिस स्टेशन में बंद कर दिया गया। घाटी में सामान्य हालात का जिक्र कर केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट को गुमराह कर रही है। हकीकत में केंद्र ने जो कदम उठाया उसमें डर साफ झलकता है।

लोगों की भावनाओं का कद्र नहीं

एक तरफ अनुच्छेद 370 हटाए जाने का जश्न मनाने के लिए होर्डिंगस लगाई गई हैं तो दूसरी तरफ दमन के जरिए लोगों की वास्तिवक भावनाओं को कुचला जा रहा है। महबूबा मुफ्ती ने यह भी कहा था कि पांच अगस्त से पहले बड़ी संख्या में पीडीपी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी का मतलब क्या है। उन्होंने पुलिसिया कार्रवाई का वीडियो भी साझा किया था। बीजेपी को तमाशा करने की पूरी छूट मिली हुई है.उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट इन सभी मामलों पर संज्ञान लेगा। बता दें कि पांच अगस्त 2019 को संसद ने अनुच्छेद 370 को खारिज करते हुए जम्मू कश्मीर का कद राज्य से घटाकर केंद्र शासित प्रदेश किया इसके साथ ही लद्दाख को जम्मू-कश्मीर से अलग कर दिया।

उन्होंने कहा कि पीडीपी को अनुमति देने से इनकार कर दिया गया था, लेकिन भाजपा द्वारा जवाहर नगर पार्क में एक कार्यक्रम आयोजित करने और बाद में दोनों अनुच्छेदों के निरस्त होने का जश्न मनाने के लिए नेहरू पार्क से एसकेआईसीसी तक एक रैली आयोजित करने के अनुरोध को अनुमति दे दी गई है। प्रशासन के संदिग्ध दृष्टिकोण की हम कड़ी निंदा करते हैं और यह बार-बार हमारे रुख की पुष्टि करता है कि प्रशासन और देश दोनों नियमों या संविधान के अनुसार नहीं, बल्कि भाजपा द्वारा निर्धारित राजनीतिक एजेंडे के अनुसार चलते हैं। पर, महबूबा ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने अनुच्छेद 370 के अवैध निरस्तीकरण का जश्न मनाने का ÷तमाशा÷ करने की खुली छूट दे दी है, और यह सब देश में जनता की राय को धोखा देने के लिए किया जा रहा है। यह सामान्य स्थिति के दिखावे को उजागर करता है। अपने अवैध कार्यों को सही ठहराने के लिए एक फर्जी कहानी है।

क्या पीएम मोदी अविश्वास प्रस्ताव में राहुल गांधी के शामिल होने से डर रहे हैं

नई दिल्ली,05अगस्त 2023 (ए)। कांग्रेस ने राहुल गांधी की सदस्यता बहाल नहीं होने पर शनिवार को एक बार फिर सरकार पर कटाक्ष किया है।

कांग्रेस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा राहुल गांधी की अनुचित सजा पर रोक लगाए हुए 26 घंटे बीत चुके हैं लेकिन उनकी सदस्यता बहाल नहीं की गई है। पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अविश्वास प्रस्ताव में राहुल गांधी के शामिल होने से डर रहे हैं?

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, सूरत की सेशन कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को दोषी ठहराए जाने के 26 घंटे बाद सांसद के तौर पर उनकी अयोग्यता की अधिसूचना जारी कर दी गई थी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी पूरी तरह से अनुचित

दोषसिद्धि पर रोक लगाए हुए 26 घंटे बीत चुके हैं। सांसद के रूप में उनका पद अभी तक बहाल क्यों नहीं किया गया?

उन्होंने पूछा क्या पीएम नरेंद्र मोदी अविश्वास प्रस्ताव में राहुल गांधी के शामिल होने से डर रहे हैं?

रमेश का यह बयान मोदी उपनाम टिप्पणी मामले में उनकी दोषसिद्धि पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाने के एक दिन बाद भी लोकसभा सचिवालय द्वारा राहुल गांधी की सदस्यता बहाल नहीं करने के मद्देनजर आई है।

राहुल गांधी को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उस दोषसिद्धि पर रोक लगा दी जिसके कारण कांग्रेस नेता की लोकसभा सांसद के रूप में सदस्यता चली गई थी, और कहा कि मामले में दो साल की अधिकतम सजा देने के लिए ट्रायल जज द्वारा कोई कारण नहीं बताया गया था।

बीजेपी सांसद को 2 साल की सजा,जा सकती है सांसदी

इटावा,05 अगस्त 2023 (ए)। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और इटावा से बीजेपी सांसद राम शंकर कठेरिया को विशेष मजिस्ट्रेट एमपी एमएलए कोर्ट ने 12 साल पुराने में दोषी पाया है। एमपी-एमएलए कोर्ट ने कठेरिया को धारा 147 और 323 के तहत दोषी करार दिया है। बीजेपी सांसद पर साकेत मॉल में टोरेंट कंपनी के ऑफिस में हंगामा कर तोड़फोड़ का आरोप है। 16 नवंबर 2011 को वारदात हुई थी। इस मामले में कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई। साथ ही 50 हजार का जुर्माना लगाया है. ऐसे में राम शंकर कठेरिया की सांसद सदस्यता समाप्त हो सकती है।

बता दें कि टोरेंट पावर लिमिटेड आगरा के साकेत माल स्थित कार्यालय में मैनेजर भावेश रसिक लाल शाह बिजली चोरी से संबंधित मामलों की सुनवाई और निस्तारण कर रहे थे। इसी दौरान स्थानीय सांसद राम शंकर कठेरिया के साथ आए 10 से 15 समर्थकों ने भावेश रसिक लाल शाह के कार्यालय में

घुस गए और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी ,जिससें उन्हें काफी चोटें आई थीं।

कठेरिया और उनके समर्थकों पर दर्ज हुआ था मुकदमा

इसके बाद टोरंट पावर के सुरक्षा निरीक्षक समेधी लाल ने हरीपर्वत थाने में तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर सांसद राम शंकर कठेरिया और उनके समर्थकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। इसी मामलें में थाना हरीपर्वत पुलिस ने सांसद राम शंकर कठेरिया के खिलाफ ही आरोप पत्र कोर्ट में प्रेषित किया था। मामलें में गवाही और बहस की प्रक्रिया पूरी होने पर शनिवार को फैसला सुनाया गया।

आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच भीषण मुठभेड़

तीन जवान हुए शहीद

श्रीनगर,05 अगस्त 2023 (ए)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में मुठभेड़ में सेना के तीन जवान शहीद हो गए। अधिकारिक प्रवक्ता के मुताबिक कुलगाम के हलाण वन क्षेत्र के ऊंचे इलाकों में आतंकवादियों और संयुक्त बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई।

सेना ने एक ट्वीट में कहा, 'कुलगाम में हलाण के ऊंचे इलाकों में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना पर सुरक्षा बलों ने अभियान शुरू किया। आतंकवादियों के साथ गोलीबारी में तीन जवान घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

उन्होंने बताया कि सेना का एक जवान, जावेद अहमद वानी, जो छुट्टी पर अपने पैतृक जिले कुलगाम से लापता हो गया था।

दिनदहाड़े स्वर्ण आभूषण कारोबारी की गोली मारकर हत्या

अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित

गोपालगंज,05 अगस्त 2023 (ए)। बिहार के गोपालगंज जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र में शनिवार को बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े एक स्वर्ण आभूषण कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी और आसानी से चलते बने।

इस मामले में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है।

पुलिस ने बताया कि नरैनिया मोहल्ले के रहने वाले कारोबारी प्रिंस कुमार शनिवार को घर से कुछ आभूषण लेकर अपनी मोटरसाइकिल से निकले थे। इसी दौरान जिगना ढाला के पास अपराधियों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी।

स्थानीय लोगों के मुताबिक एक बाइक पर सवार होकर तीन लोग आए थे और घटना को अंजाम देकर निकल गए।

सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच की। घटना के बाद से व्यवसायियों में आक्रोश है। गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि घटना के बाद से ही अपराधियों की गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है। पूरे मामले की जांच और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए हथुआ एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या; कुकी उग्रवादियों ने दिया वारदात को अंजाम

मणिपुर,05अगस्त 2023 (ए)। मणिपुर में एक बार फिर से हिंसा भड़क गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों ने क्वाक्टा में तीन मैतई लोगों की हत्या कर दी है। इसके अलावा उग्रवादियों ने कई घरों में आग भी लगा दी। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले लोग कुकी उग्रवादी थे। वहीं,मणिपुर पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने कहा कि बिष्णुपुर जिले में दो पुलिस चौकियों से बड़ी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद की लूट की उच्च स्तरीय जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि हथियार लूट की जांच अब पुलिस महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी की निगरानी में चल रही है। पुलिस प्रमुख ने मीडिया को बताया, जांच पूरी होने से पहले, हम लूटे गए हथियारों के विवरण का खुलासा करने में असमर्थ हैं।

भारत को मिली खतरनाक इजराइली स्पाइक एनएलओएस मिसाइल

नई दिल्ली,05अगस्त 2023 (ए)। भारतीय वायुसेना की ताकत में और अधिक इजाफा होने जा रहा है। दरअसल, भारतीय वायुसेना अब इजरायली स्पाइक एनएलओएस एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों के परीक्षण की तैयारी कर चुकी है। इसी संबंध में भारतीय वायु सेना ने परीक्षण के लिए कुछ मात्रा में इजरायली स्पाइक एनएलओएस एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) की डिलीवरी ली है।

इजरायली स्पाइक एटीजीएम का हेलीकॉप्टरों से होगा परीक्षण

फायरिंग परीक्षणों के लिए इसे एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर के साथ एकीकृत किया जाएगा। बाद में इसे अन्य भारतीय अटैक हेलीकॉप्टरों पर भी लैस किए जाने की योजना है। स्पाइक एनएलओएस जमीनी, विमानन और समुद्री प्लेटफॉर्मों के साथ एकीकरण करने में सक्षम है।

इसे 'मेक इन इंडिया' के जरिए बड़ी मात्रा में चाहती हैं भारतीय सेनाएं

इजरायली स्पाइक एनएलओएस एक बहुउद्देशीय, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड मिसाइल प्रणाली है. फिलहाल इसकी रेंज 32 किलोमीटर है, इसलिए भारतीय सेनाएं इसे मेक इन इंडिया के जरिए बड़ी मात्रा में चाहती हैं। स्पाइक एनएलओएस को जमीन, विमानन या समुद्री प्लेटफार्मों के साथ एकीकृत किया जा सकता है, जबकि ऑपरेटर दूर के या भौगोलिक रूप से छिपे हुए लक्ष्यों पर लाइन-ऑफ-विजन के बिना हमला करने की अपनी स्टैंड-ऑफ क्षमता का

लाभ उठा सकते हैं।

राफेल ने दुनिया भर में 30 हजार से अधिक स्पाइक मिसाइलें बेची हैं

इजरायली स्पाइक का वायरलेस डेटा लिंक ऑपरेटरों को मिसाइल की उड़ान के दौरान वास्तविक समय की वीडियो इमेजरी और मैन-इन-द-लूप नियंत्रण प्रदान करता है। यह ऑपरेटरों को लक्ष्य के रास्ते में मिशन को बदलने या निरस्त करने का भी मौका देता है। एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) के स्पाइक परिवार को इजरायल स्थित रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स ने विकसित किया है। राफेल ने दुनिया भर में 30 हजार से अधिक स्पाइक मिसाइलें बेची हैं, जिन्हें 45 से अधिक विभिन्न प्लेटफार्मों से लॉन्च किया जा सकता है।

ये 'दागो और भूल जाओ' सामरिक निर्देशित मिसाइलें हैं

ये इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल (ईओ) और फाइबर-ऑप्टिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने वाली हल्की ÷दागो और भूल जाओ÷ सामरिक निर्देशित मिसाइलें हैं। सिस्टम का उपयोग पैदल सैनिकों, विशेष तीव्र प्रतिक्रिया बलों, जमीनी बलों और हेलीकॉप्टर से किया जाता है। इजरायल के अलावा अन्य 38 देश कर रहे हैं स्पाइक मिसाइलों का उपयोग

स्पाइक मिसाइलों का उपयोग इजरायल के अलावा अन्य 38 देशों के रक्षा बल कर रहे हैं, जिनमें लातविया, स्लोवेनिया, स्लोवाकिया, यूके, फिलीपींस, सिंगापुर, नीदरलैंड, रोमानिया, चिली, कोलंबिया, फिनलैंड, जर्मनी, पोलैंड, इटली, पेरू, स्पेन, बेल्जियम, ब्राजील, कनाडा, इक्वाडोर, एस्टोनिया और लिथुआनिया शामिल हैं।

CMYK

संपादकीय

यह तो बेरहमी है

महंगाई के इस दौर में जब आम परिवारों की वास्तविक पहले से घट रही है, गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को इस टैक्स का बोझ भी उठाना होगा। इसलिए सरकार को हॉस्टल/पीजी कमरों पर लगे टैक्स से जुड़े तमाम पहलुओं पर तुरंत पुर्विचार करना चाहिए।

जिस देश में उच्चतर शिक्षा पहले से समस्याग्रस्त स्थिति में हो, वहां आम छात्रों के लिए उसे महंगा बनाना किस रूप में तार्किक नीति हो सकती है, इसे समझना कठिन है। हाल में कई विश्वविद्यालयों में फीस में हुई भारी बढ़ोतरी के बाद अब खबर है कि हॉस्टलों और पीजी कमरों पर 12 प्रतिशत जीएसटी भी लगा दिया गया है। महंगाई के इस दौर में जब आम परिवारों की वास्तविक पहले से घट रही है, गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को इस टैक्स का बोझ भी उठाना होगा। इसलिए सरकार को इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर तुरंत विचार करना चाहिए। वरना, यह कर लगाना एक तरह की बेरहमी समझा जाएगा। सरकार कह सकती है कि यह निर्णय जीएसटी काउंसिल के अथॉरिटी ऑफ एडवांस्ड रूलिंग (एएआर) ने दिया है। उसकी दो अलग-अलग बेंचों ने इस मामले में एक जैसे फैसले दिए हैं। इसके तहत नया टैक्स प्रभावी हुआ है। तो अब किसी हॉस्टल या पीजी (पेइंग गेस्ट) कमरे का किराया अगर 10 हजार रुपये था, तो अब यह 11,200 रुपये हो जाएगा। जिन दो मामलों में ये फैसले आए, उनमें एक बेंगलुरु बेंच का है।

एक याचिका में बेंच से महिलाओं के लिए हॉस्टल और पीजी सेवायें चलाने वाली एक कंपनी ने अपील की थी कि निजी हॉस्टलों को आवासीय परिसरों की ही श्रेणी में डाला जाए और उन पर जीएसटी ना लगाया जाए। आवासीय परिसर को किराए पर देने पर उन पर जीएसटी नहीं लगता है। बेंगलुरु एएआर ने अपने फैसले में कहा कि हॉस्टल और पीजी कमरों को आवासीय परिसर नहीं माना जा सकता, क्योंकि वहां अपरिचित लोग एक साथ रहते हैं और हर महीने प्रति बिस्तर के आधार पर बिल बनाए जाते हैं। इसी तरह हॉस्टल चलाने वाली नोएडा स्थित एक कंपनी ने लखनऊ एएआर से कहा था कि वो आवासीय सेवाएं देती है, इसलिए उससे जीएसटी नहीं वसूला जाए। लेकिन इस मामले में भी एएआर इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। लेकिन इन फैसलों का सीधा असर हॉस्टलों और पीजी कमरों में रहने वाले छात्रों पर पड़ेगा। क्या इसे शिक्षा को हतोत्साहित करने वाला निर्णय नहीं माना जाना चाहिए?

जाति जनगणना का मुद्दा वापस लौटा

जातियों की गिनती, सामाजिक न्याय और आरक्षण की गेमचेंजर राजनीतिक मुद्दे के तौर पर वापसी हो गई है। और इसके साथ ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीति को भी संजीवनी मिल गई है। पटना हाई कोर्ट द्वारा राज्य में जातियों की गिनती की मंजूरी दिए जाने के साथ ही राजनीतिक खेल बदल गया है। अभी ज्यादा दिन नहीं बीते, जब बेंगलुरू में हुई विपक्षी पार्टियों की बैठक के बाद नीतीश कुमार और लालू प्रसाद दोनों बहुत निराश लौटे थे। उनको लगा था कि कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन को हाईजैक कर लिया है। गठबंधन का नाम तय करने से लेकर समन्वय समिति बनाने और राजनीतिक एजेंडा तय करने तक में दोनों नेताओं की भूमिका सीमित हो गई थी। गठबंधन की पहल कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के हाथ में चली गई दिख रही थी। लेकिन पटना हाई कोर्ट के फैसले ने नीतीश कुमार और लालू प्रसाद की मंडल 2.0 की राजनीति में जान फूंक दी है।

बिहार में जनवरी में जातीय गणना शुरू हुई थी और पहला चरण पूरा होने के बाद हाई कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट में इसके खिलाफ जो याचिकाएं दायर की गई थीं, उनमें कहा गया था कि जनगणना कराना विशुद्ध रूप से केंद्र सरकार का काम है और कोई भी राज्य अपने से जनगणना नहीं करा सकती है। इस आधार पर हाई कोर्ट ने जातीय गिनती पर अंतरिम रोक लगा दी थी। बाद में बिहार सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची तो सर्वोच्च अदालत ने हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया। अब हाई कोर्ट ने इस पर विस्तार से सुनवाई के बाद सारी याचिकाओं को खारिज कर दिया है और जातीय गिनती और सामाजिक व आर्थिक सर्वे कराने का राज्य सरकार का अधिकार स्वीकार किया है। इस फैसले के बाद दूसरे चरण की गिनती का काम शुरू हो गया है।

जातियों की गिनती कराने के दो स्पष्ट राजनीतिक फायदे हैं। पहला तो यह है कि देश में जनगणना नहीं हुई है, ऐसे में बिहार में जातियों की गिनती होती है तो सत्तारूढ़ गठबंधन के नेता

दावा कर सकते हैं कि वे नागरिकों की जरूरतों को लेकर ज्यादा संवेदनशील हैं और वे इसलिए गिनती करा रहे हैं ताकि संख्या के हिसाब से हर समूह को हिस्सेदारी मिले और उनके हितों की योजना बनाई जा सके। ध्यान रहे हर 10 साल पर होने वाली जनगणना 2021 में होने वाली थी, जो नहीं हुई है। पहले कोरोना वायरस की महामारी के कारण जनगणना रूकी और उसके बाद राजनीतिक कारणों से इसे टाल दिया गया। अब यह स्पष्ट है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जनगणना नहीं होगी। इसे लेकर दुनिया भर के जानकार सवाल उठा रहे हैं क्योंकि केंद्र सरकार के सारे फैसले और सारी नीतियां 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर आधारित हैं। पिछले 12 साल से ज्यादा समय में आबादी के आंकड़ों में बड़ा बदलाव आया है और साथ ही अलग अलग समूहों की सामाजिक व आर्थिक स्थितियों में भी बदलाव आया है। इसलिए ताजा आंकड़ों के बगैर बनाई गई कोई भी नीति बहुत कारगर नहीं हो सकती है। सो, बिहार में सत्तारूढ़ राजद और जदयू के नेता केंद्र सरकार को पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक समूहों की जरूरतों और आकांक्षाओं के प्रति असंवेदनशील बता कर खुद की वाहवाही कर सकते हैं।

दूसरा फायदा यह है कि जातियों का वास्तविक आंकड़ा सामने आने के बाद एफर्मेटिव एक्शन यानी आरक्षण की राजनीति को नई धार मिल सकती है। ध्यान रहे नब्बे के दशक में मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद जो राजनीति शुरू हुई थी उसका प्रतिनिधित्व करने वाले सिर्फ दो ही लोग बचे हैं। वीपी सिंह से लेकर मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, जॉर्ज फर्नांडीज जैसे तमाम नेताओं का निधन हो गया है। अब मंडल मसीहा के तौर पर सिर्फ लालू प्रसाद और नीतीश कुमार सक्रिय राजनीति में हैं। भाजपा की कमंडल यानी मंदिर और हिंदुत्व की राजनीति के बरक्स मंडल की राजनीति का स्वाभाविक प्रतिनिधित्व ये दोनों नेता करेंगे। इस आशंका में ही बिहार भाजपा के नेता हाई कोर्ट के फैसले का स्वागत कर रहे हैं।

बहरहाल, बिहार में जातियों का वास्तविक आंकड़ा मिलने के बाद आरक्षण की राजनीति का दूसरा दौर शुरू होगा, जिसमें आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी देने की पहल होगी। यह मंडल 2.0 की राजनीति होगी, जिसका एक दौर राज्यों में चल रहा है। झारखंड से लेकर छत्तीसगढ़ तक आरक्षण बढ़ाने का फैसला हुआ है। इंदिरा साहनी केस में सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय की गई 50 फीसदी अधिकतम आरक्षण की सीमा टूट गई है। राज्यों में 75 फीसदी या उससे भी ज्यादा आरक्षण के कानून बने हैं। पिछले दिनों कर्नाटक के चुनाव में जब मुसलमानों का चार फीसदी आरक्षण बहाल करने का वादा कांग्रेस ने किया तो भाजपा ने पूछा था कि क्या वह इसके लिए वोक्कालिगा और लिंगायत को मिला अतिरिक्त आरक्षण समाप्त करेगी? इसके जवाब में कांग्रेस ने कहा था कि किसी के आरक्षण में कटौती करने की जरूरत नहीं है क्योंकि सरकार आरक्षण बढ़ाएगी और उसे 75 फीसदी तक ले जाएगी। ध्यान रहे अभी तक जातियों की संख्या के बारे में 1931 की जनगणना के आधार पर अंदाजा लगाया जाता है। उसके मुताबिक देश की कुल आबादी में ओबीसी जातियों का हिस्सा 54 फीसदी के करीब है। इसी आंकड़े के आधार पर उनको इसका आधा यानी 27 फीसदी आरक्षण दिया गया था। नए आंकड़ों से इस संख्या की पुष्टि होने के बाद उनके लिए आरक्षण बढ़ाए जाने की बात होगी। तब भाजपा के लिए धर्मसंकट की स्थिति होगी क्योंकि जातियों का उभार हिंदुत्व के नाम पर बनाई जा रही एकजुटता को तोड़ेगा। कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बाकी पार्टियां पहले ही इस बात को स्वीकार कर चुकी हैं।

नीतीश कुमार के साथ पहली मुलाकात के बाद ही राहुल गांधी को यह आइडिया पसंद आ गया था। तभी उन्होंने कर्नाटक में कांग्रेस का अभियान शुरू करते हुए जातीय जनगणना का समर्थन किया था और आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी की वकालत की थी। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल लगभग सभी पार्टियां इस विचार से सहमत हैं। अगले लोकसभा के लिए विपक्ष का जो साझा न्यूनतम कार्यक्रम बनेगा उसमें जातीय जनगणना और आबादी के अनुपात में आरक्षण का वादा मुख्य होगा।

विपक्ष के इस वादे पर भरोसा बनाने वाला चेहरा नीतीश कुमार का हो सकता है। इसका कारण यह है कि इस राजनीति का सबसे भरोसेमंद और परिपक्व चेहरा उनका है। लालू प्रसाद सक्रिय राजनीति से दूर हो चुके हैं और मुलायम सिंह व शरद यादव का निधन हो गया है। इसलिए मंडल मसीहा के तौर पर नीतीश का चेहरा विपक्षी की बड़ी पूंजी है। नीतीश के साथ एक दूसरा फायदा यह है कि वे अति पिछड़ी जातियों के प्रतिनिधि के रूप में ज्यादा स्वीकार्य हैं। ध्यान रहे लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव हों या अखिलेश यादव हों ये ओबीसी की सबसे दबंग जाति का प्रतिनिधित्व करते हैं। ओबीसी की कुल आबादी में उनकी जाति सबसे बड़ी आबादी वाली जाति होगी लेकिन उनसे बहुत ज्यादा आबादी अति पिछड़ी जातियों की होगी, जिनका अखिल भारतीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाला कोई नेता नहीं है। अगर नीतीश कुमार जातियों की गिनती और सामाजिक व आर्थिक स्थिति का आंकड़ा हासिल करने के बाद उसके आधार पर बिहार में एक मॉडल बना कर दिखाते हैं तो विपक्ष का नेतृत्व उनके हाथ में आ सकता है और उससे अगले चुनाव का समूचा चुनावी व राजनीतिक विमर्श बदल सकता है।

अजीत द्विवेदी

दिल से उतार दिखलाई

आज फिर उसी मोड़ पर मेरी दर्द-ए
यादें मुझे ले आई
फिर वही मोड़ जहॉं मैं,
दर्द और सिर्फ संग है तंहाई।।
उठा बैठी कलम लिखने हर एक बीता
मेरा लम्हा, मैं
यादों के झरोखों मे डूबी जब मैं, मेरी
आंख भर आई।।
मोहब्बत पाकर चेहरे पर हर वक्त थी
कभी, मेरे लाली
आज उसी मेरे चेहरे पर गम्-ए चादर
थी जैसै बिखराई।।
मोतियों की माला के जैसे हर वक्त
को पिरोया था मैंने
आज हर एक मोती दर्द मे डूब, टूटा
बिखरा मैं थी पाई।।
लौट भी आया अगर वो बीता हर
सुनहरा लम्हा मेरा
कबूल ना कर पाऊंगी अब मैं, अपने
दिल को बतलाई।।
बेपनाह मोहब्बत भरे दामन से तुझे
संवारा था कभी
आज बेपनाह नफरत भर दिल से तुझे
उतार दिखलाई।।
वीणा के तारों कि सुरम्य खनक
बजती थी तुझे देख
अब वीणा के तारों को तोड़ मैं खुद
के लिए जी मुस्काई।।
आज फिर उसी मोड़ पर मेरी दर्द-ए
यादें मुझे ले आई
फिर वही मोड़ जहॉं मैं, दर्द और सिर्फ
संग है तंहाई।।

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर, महाराष्ट्र

झुण्ड

लकड़बग्घों ने एक झुण्ड बना लिया
हिंसा करने के लिए।
फिर शांतिवन में कोहराम मचाते
अति स्वार्थ साधने के लिए।
इस समूह-समुदाय का कर्म
केवल और केवल उत्पात मचाना है।
निर्बल असहायों से लेकर
शाकजीवियों को चोंट पहुँचाना है
कभी तड़पाना है,कभी नोंच खाना है।
इस संगठन का
उद्देश्य अरण्य का अहित है
निस्तेज-निशक्तो को मारने की रीत है।
सिर्फ निज वर्ग की भलाई सोंचना है
भले ही इसके लिए असीम जान
झोंकना है।
अख्य का नृपति भी
कुछ नहीं कर पाते हैं
क्योकि वह भी
अशक्त को नोंच खाते हैं।
अगर किसी गाय को खरोंच लगती तो
ये सभाएं-जुलूस निकालते है
फिर मौका पाकर उसी वर्ग को
चीथ-चीथ कर हलाल कर डालते हैं।
ऐसे ढोर न राजा से डरते न रंक से
तभी तो झुण्ड बना लिए है उद्दंड से।।

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जांजगीर चांपा (छत्तीसगढ़)

मित्रता के दोहे

नेहिल होती मित्रता,होती सदा पवित्र।
दुख में कर ना छोड़ता,
हो यदि सच्चा मित्र ।।
वही मित्र है खास जो,
कह दे चोखी बात।
रहे संग वह नित मगर,
बनकर के सौगात।।
कृष्ण-सुदामा से सखा,
नहीं मिलेंगे और।
ऐसा ही चलता रहे,
सख्य भाव का दौर।।
पावनता का तेज हो,
निश्छल हों सम्बंध।
बनें सखा मजबूत कर,
अनुपम यह संबंध।।
अंतर्मन था निष्कलुष,
गहन चेतना भाव।
अमर बने तब मैत्री,
होगा नहीं अभाव।।
कृष्ण-सुदामा मैत्री,ने पाया सम्मान।
पनपे ना कोई कपट,केवल मंगलगान।।
एक देव था,एक नर,पर थे चोखे यार।
सख्य भाव देता सदा,
हर युग में उजियार।।
ऊँचनीच को भूलकर,
बनना चोखे यार।
तब ही यह रिश्ता बने,
आजीवन उपहार।।
मित्र करे ग़ल्ती अगर,बतला देना भूल।
पर तजकर के साथ तुम,
नहीं चुभाना शूल।।
रखना हित का भाव नित,
रखना उर में प्रीत।
जय होगी तब मित्रता,
जय हो ऐसी रीत।।

प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे
मंडला, मध्यप्रदेश

स्कूलों में स्मार्ट फोन के प्रयोग पर पाबन्दी की पुकार

फायदों के बावजूद स्मार्टफोन जैसी डिजिटल तकनीकों का बढ़ता दुरूपयोग बच्चों को शिक्षा से दूर ले जा रहा है। किसी नशे की तरह बच्चे इसकी लत का शिकार बनते जा रहे हैं। ऐसा कहा जाता है कि स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगाने से क्लास में अनुशासन बना रहेगा और बच्चों को ऑनलाइन डिस्टर्ब होने से बचाया जा सकेगा। यूनेस्को की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल एक टूल की तरह ही किया जाए। लेकिन इसके साथ ही यह भी कहा गया कि पारंपरिक शिक्षण विधियों को पीछे न किया जाए।शोध के अनुसार, 10 में से केवल एक माता-पिता सोचते हैं कि कक्षा में फोन का उपयोग किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, संयुक्त राष्ट्र ने स्कूलों में स्मार्टफोन रखने के खतरों के बारे में चेतावनी दी है।

इन दिनों कई गतिविधियाँ ऑनलाइन आयोजित की जा रही हैं क्योंकि यह बहुत सुविधाजनक है। इसमें शिक्षा भी शामिल है। इसी कारण से छात्रों के लिए मोबाइल फोन उनकी शिक्षा का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। जो बातें पहले व्यक्तिगत कक्षाओं के दौरान कक्षा में बताई जाती थीं, उन्हें फ़ोन पर पाठ के माध्यम से आसानी से व्यक्त किया जा सकता है। जैसा कि कहा गया है, यह बहस बनी हुई है कि क्या मोबाइल फोन छात्रों के लिए अच्छा है या बुरा, क्योंकि मोबाइल फोन सिर्फ शैक्षिक उद्देश्यों के लिए नहीं है, बल्कि एक मोबाइल फोन एक छात्र के लिए इंटरनेट की विशाल दुनिया की खिड़की है, जो अक्सर उनकी पढ़ाई से छात्र का ध्यान भटका सकता है। यदि आप एक माता-पिता हैं और अपने बच्चे के लिए स्कूल में प्रवेश के बारे में सोच रहे हैं, तो यह आपके ध्यान देने योग्य हो सकता है।

हर चीज़ के अपने फायदे और नुकसान होते हैं। स्मार्टफोन का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए, बच्चों को घर और स्कूल दोनों जगह शिक्षा और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। जब उनका उपयोग करना ठीक न हो और ऐसा हो तो वयस्कों को आदर्श बनना चाहिए, और उन्हें सुरक्षित, जिम्मेदार और उचित उपयोग के आसपास सीमाओं को लागू करने की आवश्यकता होगी। कोविड-19 महामारी का एक बड़ा साइड इफेक्ट यही रहा है कि उसकी वजह से दुनिया के कई स्कूली बच्चों को स्मार्टफोन का उपयोग करना पड़ा। अब इसकी आदत गंभीर रूप लेने लगी है। इंटरनेट स्पष्ट चीज़ों से भरा पड़ा है, जिसमें आपत्तिजनक से लेकर रक्तरंजित सामग्री तक शामिल है। जबकि कुछ फोन को पैरेंटल लॉक से बाहरी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है, कई फोन में यह सुविधा नहीं होती है, और छात्र आसानी से ऐसी चीजों तक पहुंच सकते हैं। बच्चे जिज्ञासु प्राणी होते हैं, और उनके लिए उन चीज़ों का पीछा करना स्वाभाविक है जो उन्होंने पहले नहीं देखी है। ज्यादातर मामलों में, बच्चे उस छोटी सी उम्र में वो चीजें देख लेते हैं जो उन्हें नहीं मिलनी चाहिए।

बच्चों के लिए मोबाइल फोन का सबसे आम नुकसान यह है कि उन्हें फोन की लत लग जाती है। हमें यह याद रखना होगा कि स्कूली छात्र आखिरकार बच्चे ही होते हैं और वे लगभग हमेशा पढ़ाई और पाठ्येतर गतिविधियों को लेकर तनावग्रस्त रहते हैं। यही कारण है कि जब उनके हाथ में कोई फोन आता है तो वे उसमें डूब जाते हैं। यह आदत कभी-कभी इतनी खराब हो जाती है कि छात्र जल्द से जल्द अपने फोन पर वापस जाने के लिए पढ़ाई को नजरअंदाज करने लगते हैं। कोविड महामारी के दौरान करोड़ों लोगों में स्मार्टफोन की लत बढ़ी और इसलिए अब इसके नुकसान की चर्चाएं भी खूब हो रही हैं।

मोबाइल फोन का ज्यादा उपयोग छात्रों की सीखने नहीं देगा और यह उनकी क्रिएटिविटी को भी एक हद तक मारने का काम करता है। यह शिक्षकों के साथ छात्रों के के मानवीय संपर्क को भी कम कर देता है। जैसे-जैसे शिक्षा तेजी से ऑनलाइन हो रही है, जहां छात्रों के लिए मोबाइल फोन का उपयोग करने के कई फायदे हैं, वहीं इसके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। छात्र अक्सर उन गतिविधियों के लिए अपने मोबाइल फोन पर निर्भर रहना शुरू कर देते हैं जिन्हें वे स्वयं अच्छी तरह से कर सकते थे। इसमें बुनियादी गणना जैसे सरल कार्य शामिल हैं, क्योंकि वे फ़ोन के कैलकुलेटर ऐप का उपयोग कर सकते हैं। या, कभी-कभी, उन्हें किसी प्रश्नोत्तरी का उत्तर याद नहीं होता है जो उन्हें इसे ऑनलाइन देखने के लिए प्रेरित करता है जिसका अध्ययन किया जाना चाहिए और याद किया जाना चाहिए। प्रभावी शिक्षण के लिए छात्रों और शिक्षकों के बीच सामाजिक संपर्क जरूरी है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इस बात का गंभीरता और सावधानी से अवलोकन करें कि तकनीक का स्कूलों में उपयोग कैसे हो रहा है। स्कूलों में मानव केंद्रित दृष्टिकोण की जरूरत है जहां डिजिटल तकनीक एक उपकरण के तौर पर काम करे ना कि हावी ही हो जाए। अगर हम उस समय को देखें जब मोबाइल फोन अभी भी हमारी रोजमर्रा की जरूरतों से इतनी गहराई से नहीं जुड़े थे, तो हम देखेंगे कि छात्र अपनी पढ़ाई से ब्रेक लेने के लिए कई शारीरिक गतिविधियों का इस्तेमाल करते थे। हालाँकि, इन दिनों, 8 में से 4 छात्रों के घर के अंदर रहने और समय बर्बाद करने के लिए अपने फोन का उपयोग करने की अधिक संभावना है। मोबाइल फोन अनिवार्य रूप से पूरी दुनिया को एक हाथ की हथेली में लाता है, और इस प्रकार बच्चे खेल या किसी भी सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने के बजाय अपने मोबाइल फोन स्क्रीन से अधिक चिपके रहते हैं। बच्चों को तकनीक के साथ और उसके बिना दोनों तरह से, प्रचुर सूचना में क्यों उपयोगी है और किसे नजरअंदाज करना है, सिखाना होगा। प्रौद्योगिकी कभी भी शिक्षकों का स्थान न ले, बल्कि प्रौद्योगिकी को एक सहायक उपकरण के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए, जो सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साझा उद्देश्य को हासिल करने में मददगार हो।

डॉ. सत्यवान सौरभ,
बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

पुरानी यादें...

मेरे समकालीन सहपाठियों को समर्पित कुछ पुरानी यादें.. संभवतः उन्हें भी उन बीते समय के खट्टे- मीठे बीते पल जरूर यादआएंगे..

उन दिनों अंबिकापुर शहर में प्राइवेट स्कूल नहीं हुआ करते थे। शासकीय प्राथमिक शालाओं मे कक्षा पहली से ही शिक्षा की शुरुआत होती थी। स्लेट पत्थर का लकडी के फ्रेम में बना सिलेट और 5-10 पैसे में दर्जनभर लंबी-लंबी पेंसिलें मिला करती थी।मनोहर बालपोथी किताब से शिक्षा का आरंभ होता था। कक्षा तीसरी से कलम-दवात और फाउंटेन पेन का आगमन होता था। कोरस स्याही की टिकिया, केडेट का फाउंटेन पेन, अप्सरा का ॥क्रपेंसिल, कैमलिन की स्याही की दवात और कंपास बॉक्स किसे याद नहीं होगा। खाने की छुट्टी में पेंसिल का गुच्ची खेलना और स्कूल के आसपास पेड़ो पर चढ़कर आमाड़ंडी खेलना सबको बहुत प्रिय था। 26 जनवरी के पहले पीटी, लेझीम, डंबल का अभ्यास कर गणतंत्र दिवस में स्कूलों की प्रस्तुति, आज देखने को नहीं मिलती। सरस्वती पूजा में केदारपुर स्कूल में नृत्य, गान, नाटक आदि का वार्षिक कार्यक्रम/प्रतियोगिता के भी क्या कहने थे।

उस समय शहर का एकमात्र शासकीय मिडिल और हाई स्कूल एडवर्ड हाई स्कूल (जिसे अब मल्टीपरपज हायर सेकेंडरी स्कूल कहते हैं) था, जो प्रातः और दोपहर को दो पाली मे लगता था। मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए सुबह 6ः30 बजे स्कूल में बजने वाला %पचासा घंटा%कोसों दूर तक सुनाई पड़ता था। एकमात्र स्कूल होने और छात्रों की संख्या ज्यादा होने के कारण एक कक्षा में ए, बी, सी, डी, ई तक सेक्शन हुआ करते थे। हाई स्कूल के वनस्पति शास्त्र के लैब में स्थित मानव कंकाल का ढांचा छात्रों के बीच विभिन्न प्रकार के चर्चाओं का विषय हुआ करता था। स्कूल के सागौन वृक्ष के नीचे रमेश हलवाई की एकमात्र टिकिया चाट का ठेला लगा करता था। स्कूल से थोड़ी दूरी पर ही %मोटू सिंधी% की किराना दुकान थी। (जो आज पूजा सामग्री की दुकान है।) उस दुकान में कोई भी सामान मिल जाता था। उन दिनों सरस्वती पूजा के अवसर पर स्कूल में लगने वाला बाल मेला का भी बहुत मजा था। मेला में पानी से भरी बाल्टी में रखी गई कटोरी में सिक्के डालने वाला खेल आज भी याद आता है। आदित्य सर जी का आर्केस्ट्रा भी हुआ करता था। उन दिनों जो छात्र एनसीसी लिए थे,वे स्वर्गीय के. के. डबराल सर को कैसे भूल सकते हैं। शनिवार की शाम और रविवार को प्रातः सागौन पेड़ के नीचे एनसीसी के परेड का अभ्यास करना और नाश्ता मिलना सब को बखूबी याद होगा। मिडिल स्कूल के राय सर का बातों बातों में दोमड़े की औलाद कहना भी उन दिनों की यादों को ताजा करता है। उन दिनों शहर में क्रिकेट की शुरुआत नहीं हुई थी। चारों तरफ फुटबॉल का ही बोलबाला था। उस समय शहर में फुटबॉल एकमात्र राम मंदिर मैदान मे हुआ करता था। हमारे शिक्षक स्वर्गीय श्री भीषम सिंह जी उस समय के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हुआ करते थे, अंबिकापुर में यदि फुटबॉल खेल की बात होती है तो आज भी उसके साथ भीषम सर का नाम जरूर याद किया जाता है, बल्कि मेरा तो यह मानना है कि उन्होंने ही सरगुजा में फुटबॉल खेल को बुलंदियों में लाकर खड़ा किया था। उस समय की सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल टीम यूनाइटेड क्लब के 9 नंबर जर्सी में उनके खेल पर सबकी नजर रहती थी। उन दिनों के फुटबॉल खिलाड़ियों में श्री सुरेश जायसवाल, रज्जू गुरुजी, आनंद दास गुप्ता सर, साधु, मणी, फुलजेम्स, राकेश सिंह, त्रिभुवन सिंह, संतोष मुखर्जी(गोलकीपर), गौतम दास गुप्ता, बहादुर, फेकू जैसे शानदार खिलाड़ीयों को सदैव याद किया जायेगा। खेल प्रेमी साथियों को फुटबॉल मैच के मैदान में दाढ़ी वाले चनाचूर बेचने वाले पंडित जी का अचानक कान के पास आकर जोर से चना जोर गरम कहना भी याद होगा। एक बात और याद आती है की किसी भी फुटबॉल मैच के दौरान आदरणीय नरु बाबा (मदनेंद्र प्रताप सिंह) जी के विशिष्ट आवाज में किसी भी खिलाड़ी को सटीक कमेंट करना मैच मैं उपस्थित दर्शकों को हंसने को बाध्य कर देती थी। उन दिनों साधु की गोल कीपरी, सुदर्शन सोनी सर की रेफरी, पीटीआई जेपी शर्मा सर के सदैव सफेद पोशाक का पहनावा भी बहुतों को जरूर याद होगा। हाई स्कूल मैदान में होने वाले फुटबॉल एवं स्कूल के टूर्नामेंट को, लड़की स्कूल के बाउंड्री वॉल पर बैठकर देखना और मौका पाकर हाते के अंदर घुस कर खट्टे कमरस और बादाम के पेड़ से कच्चे-पक्के बदाम को तोड़ना जो उस समय सिर्फ लड़की स्कूल के भीतर लगा था, लड़कों के लिए चुनौती हुआ करती थी। गुरुद्वारा के पास स्टैंडर्ड स्टोर नाम की पेन कॉपी की स्टेशनरी दुकान और बाल जी भाई की गुजराती होटल प्रसिद्ध थी। होटल के सामने स्पीकर से सुबह 8:00 बजे का राष्ट्रीय समाचार को सुनने वाले लोग सड़कों पर खड़े हो जाते थे। दुर्गा पूजा के अवसर पर राम मंदिर मैदान में लगने वाला मीना बाजार उन दिनों मनोरंजन का बहुत बड़ा साधन था। जिसमें 2/- में तीन फिल्मी डांस का बंबई डांस पार्टी का प्रोग्राम, 3 बॉल से एक पर एक रखें प्लास्टिक के गिलास को टेबल से नीचे गिराने का खेल, लकड़ी के बने रिंग से साबुन, बिस्कुट जैसे सामान को फसाना, लाई लप्पा(पानी से भरा छोटा गुब्बारा), मीना बाजार का फोटो स्टूडियो जिसमें ताजमहल के सीन के सामने और मोटरसाइकिल पर बैठकर फोटो खिंचवाने का अलग ही मजा था। और उस समय रात्रि 10:00 बजे मौत की छलांग का खतरनाक खेल मीना बाजार की रौनक हुआ करती थी।

70 के दशक तक अंबिकापुर के महामाया रोड में पुरानी एलआईसी ऑफिस के सामने एकमात्र टॉकीज जायसवाल टॉकीज थी जिसमें सबसे सामने का लोअर क्लास का टिकट दर 60पैसे, मिडिल क्लास का 90 पैसे और फिर अपर क्लास का 1.20 पैसे टिकट था। उन दिनों 15 साल पुरानी पिक्चर भी लोगों को नयी लगती थी। मध्यांतर होते ही मूंगफली बेचने वाले 10 पैसे में कागज के ठोंगे में मूंगफली बेचने के लिए हाल में घुस आते थे। पूरी पिक्चर खत्म होते ही दर्शकों के बाहर निकलने के रास्ते में 10 पैसे में उसी फिल्म के गाने की किताब बेचने वालों की आवाजें हर किसी को याद होगी। बाद में इसी टॉकीज को अभिनव टॉकीज के नाम से जाने जाना लगा। 70 के दशक में ही अंबिकापुर के देवीगंज रोड में जायसवाल चित्र मंदिर का निर्माण होना अंबिकापुर वासियों के लिए गौरव की बात थी। नई साज-सज्जा के साथ जॉनी मेरा नाम फिल्म से खूबसूरत टॉकीज का शुभारंभ हुआ। उन दिनों मनोरंजन के नाम पर फिल्मों का बहुत क्रेज था। नई फिल्में लगने के एक हफ्ते तक टिकटों के लिए लोगों को संघर्ष करना सबको याद होगा। बसंत टॉकीज में जय संतोषी मां फिल्म का एक वर्ष (गोल्डन जुबली) होना भी उन दिनों के बहुत से लोगों को याद होगा।

उन दिनों अंबिकापुर शहर की आबादी बहुत ही कम थी, शहर का हर व्यक्ति एक दूसरे से परिचित हुआ करता था। अंबिकापुर बहुत ही शांत और भोला- भाला शहर था उन दिनों। आप याद करें उन दिनों शहर के लगभग सभी दीवारों पर कनेर और बेशरम पौधे के पत्तों से घिसकर हरे रंग में कलात्मक ढंग से पेंटर की तरह गुलाब सिंह की सुंदर लिखावट। उस समय हमें बताया गया था कि गुलाब सिंह एक शिक्षक थे, मानसिक विकृति के कारण उन्हें नौकरी छोड़ना पड़ा। शहर का कोई भी दीवार उनकी लिखावट से अछूता नहीं था, उनकी लिखावट मे सटीक मात्राओं का प्रयोग उनके शिक्षित होने का प्रमाण देती थी। रविवार को कंपनी बाजार में लगने वाला सप्ताहिक बाजार में घोड़े में बैठे एक पैर कटा हुआ गर्रा डाकू द्वारा सब्जी आदि वसूलते हुए देखना भी बहुत लोगों को याद होगा। पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा शहर के विभिन्न मोहल्लों में वैन में ले जाकर चलित चलचित्र जिसमें बालक, भक्त प्रल्हाद,नया दौर एवं मनोज कुमार की उपकार जैसी देशभक्ति वाले फिल्में भी आप में से बहुतों ने जरूर देखी होगी।

उन दिनों एक बार शहर में भैंसासुरआने की अफवाह भी लोगों को डरा गई थी। उससे बचने का तरीका भी बहुत रोचक था, कहां जाता था कि जिस घर में उंगली से गोबर की पट्टी नहीं बनी रहेगी वहां भंईसासुर से जान की हानि हो सकती है। इसी डर से अंबिकापुर शहर के कच्चे पक्के सभी मकान गोबर की पट्टी से लिपे गए थे।

70 से 90 के दशकों में शहर मैं गणेश पूजा बहुत धूमधाम से मनाई जाती थी, जिसमें राजनांदगांव की राज भारती आर्केस्ट्रा एवं नागपुर का %मेलोडी मेकर्स आर्केस्ट्रा तथा के के नो ईकर का कार्यक्रम आज भी याद आता है। जूनियर महमूद, कुमुद छुगानी और जयश्री टी. जैसे फिल्मी कलाकारों का प्रोग्राम भी उन दिनों तहलका मचा कर गई थी।

आज उम्र के साथ दशक बीत जाने के बाद अंबिकापुर शहर के बीते दिनों के कुछ पुरानी यादों को आपके समक्ष रख रहा हूं, आशा है कि मेरे समकालीन साथियों को भी ये यादें स्पर्श जरूर करेगी।

ब्रिज बिहारी द्विवेदी (बुचुन),
अम्बिकापुर,सरगुजा,छत्तीसगढ़

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

वन मंडलाधिकारी बलरामपुर और नवीन बंसल के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

बलरामपुर वनमंडल द्वारा बारबेड सप्लाई के मामले में बलरामपुर न्यायालय द्वारा वन मंडलाधिकारी बलरामपुर और सप्लायर नवीन बंसल पर बलरामपुर थाना में धारा 409 के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। वनमंडलाधिकार व सप्लायर द्वारा 29 लाख 10 हजार 9 सौ रुपए का गबन किया गया था। इस मामले में आरटीआई कार्यकर्ता डीके सोनी ने न्यायालय बलरामपुर में परिवाद दायर किया था। इस मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने एफआईआर के आदेश दिए थे।

बलरामपुर जिले के वन मंडलाधिकारी वन मंडल बलरामपुर द्वारा मैसर्स दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी प्रोपाइटर नवीन बंसल अंबिकापुर को सीएसआईडीसी पोर्टल के माध्यम से 16 जनवरी 2022 को विभागीय मद से सहायक प्राकृतिक पुनरोत्पादन कार्य में सुरक्षा कार्य हेतु 36250 किलोग्राम बारबेड वायर का प्रदाय करने हेतु आदेश दिया गया था। 5 फरवरी 2022 को कैंपर मद से हाईटेक नर्सरी में सुरक्षा कार्य हेतु 6912 किलोग्राम चैनलिंक का प्रदाय आदेश जारी किया गया था जिसमें दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी द्वारा मात्र 5050 किलोग्राम चैन

लिंक फैंस प्रदाय किया गया तथा 1862 किलोग्राम चैन लिंक फैंस आदेश के अनुसार प्रदाय नहीं किया गया। जबकि दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी द्वारा आदेशित मात्रा का पूर्ण भुगतान प्राप्त कर लिया गया था जिसके संबंध में वन मंडलाधिकारी बलरामपुर द्वारा दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी अंबिकापुर को 8 अगस्त 2022 को पत्र क्रमांक 1830 लिखा गया तथा 1862 किलोग्राम चैन लिंक फैंस प्रदाय करने हेतु बोला गया लेकिन उसके बाद भी दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी द्वारा सामग्री प्रदान नहीं किया गया। जिसके कारण 20 अगस्त 2022 एवं 17 अक्टूबर 2022 को भी वन मंडलाधिकारी बलरामपुर वन मंडल द्वारा पत्र लिखकर सामाग्री प्रदाय किए जाने का निर्देश दिया गया था। लेकिन उसके उपरांत भी दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी द्वारा शासन से राशि प्राप्त करने के बाद भी सामग्री प्रदाय नहीं किया गया तथा शासकीय राशि का गबन दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी द्वारा वन मंडल के डीएफओ लक्षण सिंह के साथ मिलकर किया गया तथा सामग्री दिए बगैर ही फर्जी बिल बाउचर प्रस्तुत कर लाखों रुपए की राशि आहरण कर लिया जिसमें मेसर्स दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी के प्रोपराइटर के अलावा डीएफओ लक्षण सिंह के द्वारा राशि भुगतान किया था।

क्योंकि किसी भी सामग्री को प्रदाय करने के उपरांत ही संबंधित वन परीक्षेत्राधिकारी एवं उप वन मंडलाधिकारी के द्वारा सामाग्री प्रदाय करने के संबंध में एनओसी प्रदाय किया जाता है तथा हस्ताक्षर कर वन मंडलाधिकारी को प्रदाय किया जाता है तो ही राशि का भुगतान किया जाता है लेकिन दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी के प्रोपराइटर को दो बिल में कुल 29 लाख 10 हजार 9 सौ रुपए का भुगतान संबंधित लक्षण सिंह वन मंडलाधिकारी के द्वारा बिना जांच पड़ताल किए कर दिया गया एवं शासन के साथ धोखाधड़ी एवं चीटिंग की गई तथा शासकीय राशि का गबन सुनियोजित तरीके से किया गया था। दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी सदर रोड अंबिकापुर के प्रोपराइटर एवं लक्षण सिंह वन मंडलाधिकारी के विरुद्ध शासकीय राशि गबन करने तथा फर्जी बिल वाउचर बनाने के संबंध में डीके सोनी अधिवक्ता द्वारा न्यायिक दंडाधिकारी बलरामपुर के न्यायालय में धारा 156(3)दंड प्रक्रिया संहिता के तहत परिवाद पेश किया गया एवं एवं दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी तथा कूट रचित दस्तावेज तैयार करने वाले अधिकारी के विरुद्ध अपराध अंतर्गत धारा 409 भादवी के तहत अपराध पंजीबद्ध किए जाने का निवेदन न्यायालय से किया गया है जिसमे न्यायालय के न्यायाधीश दीपक कुमार शर्मा द्वारा 5 जुलाई 23 को आदेश दिया गया की थाना प्रभारी बलरामपुर शिकायतकर्ता शिकायतकर्ता के आवेदन पर प्रथम सूचना पर दर्ज करते हुए अन्वेषण कर अभियोग पत्र पेश करे, जिसके आधार पर थाना बलरामपुर द्वारा 2 अगस्त 23 को धारा 409 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है।

बेटे की बेदम पिटाई से घायल पिता की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

शराबी कलयुगी बेटे ने पिता को ही लाठी डंडे से पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। यहां उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शिवकुमार उम्र 62 वर्ष कोरबा जिले के ग्राम कोरबी का रहने वाला था। 1 अगस्त को इसका बेटा रामगरीब शराब के नशे में घर आया और किसी बात को लेकर वृद्ध पिता से विवाद करने लगा। गुस्से में आकर बेटे ने लाठी डंडे से पिता की बेदम पिटाई कर दी। परिजन द्वारा बीच बचाव किया गया। इस दौरान पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए बैकुंठपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति गंभीर देखते हुए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जमीन में सो रहे युवक को सांप ने डसा,मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

जमीन पर सोने के दौरान एक युवक सर्पदंश का शिकार हो गया था। उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महेश्वर एक्का पिता नानी एक्का उम्र 35 वर्ष लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम कोट का रहने वाला था। वह 30 जुलाई की रात को खाना खाने के बाद जमीन में बिस्तर लगा कर सो रहा था। देर रात को सांप ने उसे डस लिया। घटना की जानकारी उसने परिजन को दी। परिजन ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अंबिकापुर-दिल्ली ट्रेन को मिला दो स्लीपर कोच,वाशिंग पीट,रेलवे टर्मिनल भी बनेंगे

सांसद रेणुका सिंह ने सरगुजा की जनता को दी बधाई

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

सांसद एवं केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह के प्रयासों से हजरत निजामुद्दीन-अम्बिकापुर यात्री ट्रेन के डिब्बो में स्लीपर कोच के दो डिब्बे जोड़ दिए गए। आज रेल्वे ने इस आशय का आदेश जारी किया। इस शयनयान डिब्बो के जुड़ने से सरगुजा अंचल के मध्यम वर्गीय एवं गरीब परिवारों के लोगों की यात्रा सुगम होगी 7 विदित है कि इस यात्री ट्रेन के परिचालन के लिए सांसद श्रीमती रेणुका सिंह ने भगीरथ प्रयास किया जिसके प्रतिफल में सरगुजा से दिल्ली तक ट्रेन का सपना साकार हुआ और सीधी यात्री ट्रेन का परिचालन संभव हो सका 7 ज्ञात हो कि 14 जुलाई 2022 को इस ट्रेन को 13-3 एसी एवं 5-2 एसी डिब्बो के साथ प्रारंभ किया गया था जिसके लिए संवेदनशील सरगुजा सांसद रेणुका सिंह ने क्षेत्र के लोगों की आय वर्ग के हिसाब से मांग को देखते हुए 16 जुलाई 2022 को ही पत्र लिखकर इसमें सामान्य शयनयान लगाने की कवायद प्रारभ कर दी थी। साथ ही समय समय पर उनके द्वारा सार्थक प्रयास भी किया जिसके सार्थक परिणाम भी निकले तथा रेल्वे ने दो शयनयान कोच लगाकर आज सरगुजावासियों को सौगात दी 7 रेल्वे के क्षेत्र में ही एक और सौगात अम्बिकापुर स्टेशन को मिला है जिसमें वाशिंग पीट, रेल्वे टर्मिनल की भी स्वीकृति शामिल है 7 वाशिंग पीट, रेल टर्मिनल के निर्माण से रेलगाडियों के अम्बिकापुर क्षेत्र से परिचालित होने की सम्भावनाये अत्यंत प्रबल हुई है। जिसमे अब तक बिलासपुर, कोरबा व अन्य स्थानों पर टर्मिनेट होने वाली यात्री रेलगाड़ी अब अम्बिकापुर तक आयेगी तथा वर्षो से रेल सुविधाओ से महरूम यह क्षेत्र गुलजार होगा 7 श्रीमती रेणुका सिंह के प्रयास से बौरी डांड से अम्बिकापुर तक दोहरी रेल लाइन बिछाने की स्वीकृति भी मिल चुकी है बहुत जल्द कार्य प्रारंभ होगा 7 दोहरी रेल लाइन परियोजना के प्रारंभ होने के बाद इस एकल रेल खण्ड पर यात्री ट्रेनों का परिचालन समय पर हो सकेगा 7 सरगुजा क्षेत्र की जनता को मिली इस सौगात पर श्रीमती रेणुका सिंह ने आम जनता को बधाई देते हुए कहा कि जनता ने जिस उम्मीद के साथ भाजपा तथा नरेन्द्र मोदी जी का समर्थन लोक सभा के चुनाव में किया था उनकी उम्मीदे अब साकार रूप ले रही है 7 कोरोना काल की महामारी में दो वर्ष कठिनाई से जरुर बीता लेकिन उसके बाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने न केवल कोरोना महामारी से मुक्ति पाई बल्कि भारत विकास की नई ऊँचाईओ को छुते हुए विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था बन गया 7 मैंने सांसद के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ मिलकर सरगुजा क्षेत्र की जनता की सुविधाओ के विकास के लिए सतत प्रयास किया है चाहे वो रेल हो, वायु सेवा हो, या 12 जातियो को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की बात हो। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रेल मंत्री, नागरिक उड्डयन मंत्री सहित सभी का धन्यवाद करती हूं जिन्होने मेरे संसदीय क्षेत्र सरगुजा को ये सौगात दी 7 आगे भी सभी के समन्वित प्रयासों से सरगुजा में रेल्वे सहित अन्य परियोजनाओ का विस्तार होगा तथा सरगुजा भी विकास नई ऊंचाईयों को छुयेगा।

राजस्व विभाग के अधिकारियों के सामने उपसरपंच ने की भूमिस्वामी से मारपीट

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

सरगुजा जिले के अंबिकापुर के सरगवा क्षेत्र से उप सरपंच द्वारा राजस्व अधिकारियों के सामने पिता पुत्र के साथ मारपीट और गाली गलौज का वीडियो सोशल मिडिया में जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल राजस्व विभाग द्वारा पिता पुत्र को उनके भूमि से सटे शासकीय भूमि को नापने का नोटिस देकर बुलाया गया था जहा गांव का उपसरपंच मनीष ली भी बतौर जनप्रतिनिधि उपस्थित था, ग्रामीण भूस्वामी से रास्ते के निर्माण के लिए लंबे समय से भूमि की मांग कर रहे थे जिसे देने में भूस्वामी ने असमर्थता जाहिर की थी जिसका विवाद एक वर्ष पूर्व से चल रहा था, इसी दौरान भूमि नापने के दौरान मनीष ली पिता पुत्र से विवाद करते हुऐ धक्का मुक्की गाली गलौज के साथ मारपीट भी करने लगा जिसका वीडियो वहा उपस्थिति लोगो ने बना लिया, बहरहाल राजस्व विभाग के अधिकारियो के सामने उप सरपंच के दबंगई की शिकायत पिता पुत्र द्वारा थाने में करा दी गई है, अब देखना यह होगा की दबंग उप सरपंच पर कार्यवाही होती है या विभागीय संरक्षण का लाभ उसे मिलता है।

पुलिया क्षतिग्रस्त होने की सूचना पर कलेक्टर ने त्वरित लिया संज्ञान

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

विकासखंड बतौली में जूनापारा से करदना बागपानी तक प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना अंतर्गत 9 किमी सडक़ आवागमन के लिए बनी हुई है जिसमें अत्याधिक वर्षा एवं भारी वाहनों के आवागमन के कारण आरडी 5300 मीटर में पुलिया क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिलते ही कलेक्टर कुन्दन कुमार ने त्वरित संज्ञान लिया और संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करते हुए आवागमन सुचारू रूप से संचालित कराने निर्देशित किया गया। कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में विभाग द्वारा ग्रामीणों की उपस्थिति में क्षतिग्रस्त पुलिया स्थल पर आवश्यक सुधार कार्य कर ग्रामीणों की सुविधा हेतु वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। कार्यपालन

अभियंता सह सदस्य सचिव छत्तीसगढ़ ग्रामीण सडक़ विकास अभिकरण ने बताया कि उक्त सडक़ का निर्माण वर्ष 2007-08 में प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना अंतर्गत किया गया था एवं वर्ष 2017-18 में नवीनीकरण कार्य किया गया। अत्याधिक वर्षा एवं भारी वाहनों के आवागमन के कारण उक्त पुलिया क्षतिग्रस्त हो गया जिसमें ग्रामीणों की आवागमन में मदद हेतु कार्यवाही करते क्षतिग्रस्त पुलिया के मलबे को हटाकर पुन- ह्यूम पाइप को दो रो लगाकर एवं उसपर मुरुम कर आवागमन शुरू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त ह्यूम पाइप की रो से बरसात का पानी सुगमता पूर्वक निकल जायेगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस पुलिया का प्राक्कलन बनाया जा रहा है, स्वीकृति उपरांत नवीन पुलिया का निर्माण किया जाएगा।

कीचड़ से सनी सडक़ पर फिसलकर गिर रहीं छात्राएं

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

गंगापुर स्थित घुमंतू हॉस्टल (कन्या छात्रावास) तक जाने वाली सडक़ की स्थिति काफी खराब है। सडक़ पर कई जगहों पर बड़े गड्ढे बन गए हैं। वहीं लगातार हो रही बारिश के कारण सडक़ कीचड़ में तब्दील हो गई है। खस्ताहाल व कीचड़ नुमा सडक़ पर चलना हॉस्टल की छात्राओं व आसपास के रहने वाले लोगों के लिए मुश्किल हो गया है। कीचड़ से सनी सडक़ पर छात्राएं फिसलकर गिर जाती हैं। इस समस्या को देखते हुए शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। गंगापुर में घुमंतू हॉस्टल (कन्या छात्रावास) है। छात्रावास में 4 साल से लेकर 10 वर्ष तक की बालिकाएं रहकर पढ़ाई करतीं हैं। लेकिन छात्रावास तक जाने के लिए सडक़ की स्थिति काफी खराब है। सडक़ पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश होने के कारण सडक़ कीचड़ में तब्दील हो गई है। बालिकाओं को कीचड़ एवं पानी से भरे इन गड्ढों से होकर स्कूल जाना पड़ता है। इससे कई बार कीचड़ इनके कपड़ों में लग जाते हैं, वहीं कई बार बालिकाएं सडक़ पर फिसलकर गिर जातीं हैं। इस समस्या को देखते हुए शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता अंकुर सिन्हा ने बताया कि यहां की सडक़ की समस्या से नगर निगम के अधिकारियों को अवगत कराया लेकिन आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। आज भी समस्या जस की तस बनी हुई है। विरोध प्रदर्शन में अभिमन्यू साहू, आयुष सिन्हा, संस्कार व अन्य लोग शामिल रहे।

किशोर कुमार की जयंती पर उनके गाए सदाबाहर गानों की कलाकारों ने दी प्रस्तुति

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

शहर के एक होटल में शुक्रवार को संगीतकार किशोर कुमार की जयंती मनाई गई। हरदिल अजीज गायक किशोर कुमार के 94वें जयंती पर अनोखी सोच संस्था ने केक काटकर एवं किशोर नाइट्स संगीत कार्यक्रम का आयोजन कर उनके जन्मदिन की खुशियां मनाई। संस्था के सदस्यों एवं उपस्थित कलाकारों ने किशोर कुमार के गाए सदाबहार गानों पर अपनी संगीत प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में समां बांध दिया। संगीत

श्रोताओं ने किशोर कुमार के गानों का जमकर आनंद उठाया। अनोखी सोच संस्था के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश साहु ने कहा कि भारतीय सिनेमा संगीत जगत के बड़े गायक थे। उनकी आवाज दिल को छु जाती थीं, उनके गानों में जितनी सरलता, सहजता और मिठास था उनके व्यक्तित्व में भी उतनी ही विनम्रता थी। कार्यक्रम में सचिव पंकज चौधरी, कोषाध्यक्ष अभय साहू, मोती ताम्रकार, दिनेश ताम्रकार, शेखर सोनी , राकेश शुक्ला, बजरंग जिंदल, चंद्रप्रताप सिंह, सुनील साहु, भोला, वेदांत तिवारी , रुपेश बेहेरा, लालजी साहू, प्राची जिंदल, दीक्षा गर्ग, रानी शुक्ला, किरन साहू, पूजा साहू, सौभाग्य जिंदल, सत्यम, प्रदीप सहित संगीत के श्रोतागण उपस्थित थे ।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में फसल बीमा प्रचार रथ रवाना

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में शनिवार को फसल बीमा योजना हेतु प्रचार-प्रसार रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया, ताकि क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी ऋणी-अऋणी किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा सकें। रथ जिले के विभिन्न ग्रामों में बीमा की जानकारी के साथ बीमा कराने हेतु आवश्यक तकनीकी जानकारी किसानों को सुविधा मुहैया

कराएगी। फसल बीमा की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2023 है। भारत सरकार की इस योजना को छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से भारतीय कृषि बीमा कंपनी द्वारा खरीफ 2023 एवं रबी 2023-24 में संचालित की जा रही है।

पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना अंतर्गत उद्यानिकी अधिसूचित खरीफ फसल टमाटर, बैंगन, मिर्च, अदरक, केला, पपीता एवं अमरूद है। किसानों द्वारा आधार कार्ड, राजस्व अभिलेख, बैंक खाता की प्रति के साथ लोक सेवा केन्द्र, प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति, ऑलाईन पंजीयन, बैंक, विभागीय मैदानी अमला या बीमा कम्पनी अभिकर्ता के मार्गदर्शन से अपनी फसल का बीमा करा सकेंगें। फसल बीमा अंतर्गत रथ रवाना के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार, अपर कलेक्टर श्री एएल ध्रुव, सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कुमार कंवर, उपसंचालक कृषि विभाग श्री पीएस दीवान, एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जन चौपाल में स्वास्थ्य शिविर लगाकर की गई स्वास्थ्य जांच

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के अध्यक्षता में जन चौपाल का कार्यक्रम भगवानपुर बनारस रोड, गुदरी चौक, शिव मंदिर गांधीनगर में किया गया। इन सभी जगह स्वास्थ विभाग द्वारा निशुल्क स्वास्थ शिविर और निशुल्क आयुष्मान कार्ड शिविर का आयोजन किया गया है। तीनों जगह कुल 447 मरीजों का उपचार किया गया, 159 लोगों का बीपी जांच, 110 शुगर जांच और 258

आयुष्मान कार्ड बनाया गया। समस्त शासकीय स्वास्थ योजनाएं की जानकारी प्रदान किया गया। शिविर में उप मुख्यमंत्री द्वारा हितग्राहियों को निशुल्क आयुष्मान कार्ड भी दिया गया। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों को आयुष्मान भारत कार्ड और मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए विशेष कैंप का आयोजन करने निर्देशित किया है। शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी डॉ. आरएन गुप्ता, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अनिल प्रसाद, डॉ श्रीकांत, डॉ चंदन, डॉ नीलिमा, डॉ अमीन फिरदौसी, अनुज रवि एवं समस्त स्वास्थ कर्मचारी उपस्थित थे।

भारतीय युवतियों को यूके में मिलेगा एक दिन के लिए उच्चायुक्त बनने का मौका

लंदन । भारतीय युवतियों को यूके में एक दिन के लिये उच्चायुक्त बनने का मौका दिया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार ब्रिटिश उच्चायोग 11 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर भारतीय युवतियों को यूके के शीर्ष राजनयिकों में से एक के रूप में एक दिन बिताने का मौका दे रहा है। नई दिल्ली में ब्रिटिश उच्चायोग ने घोषणा की कि सतत विकास लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने वाली वार्षिक एक दिन के लिए उच्चायुक्त प्रतियोगिता 18 से 23 वर्ष की भारतीय महिलाओं को दुनिया के साथ अपनी ताकत साझा करने का अवसर प्रदान करेगी। भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने कहा कि सतत विकास लक्ष्य हर किसी के लिए, हर जगह एक बेहतर ग्रह बनाने पर जोर देते हैं; जैसा कि भारत अपने जी20 प्रेसीडेंसी के साथ कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में फैली प्रतिभा से आश्चर्यचकित हूं और इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत के प्रतिभाशाली युवा इस अभियान का नेतृत्व करेंगे और बेहतर भविष्य होगा। एलिस ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी चुनौतियों को हल करने की दुनिया के युवाओं की पूरी क्षमता लड़कियों और महिलाओं के बिना हासिल नहीं की जा सकती। उन्होंने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस एक महत्वपूर्ण क्षण है। मैं कई शानदार प्रविष्टियों को देखने के लिए उत्सुक हूं। उच्चायुक्त बनने के आवेदन करने के लिए, प्रतिभागियों को एक मिनट का वीडियो रिकॉर्ड और अपलोड करना होगा, इसमें युवा लोग सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में कैसे मदद कर सकते हैं? का उत्तर होगा। वीडियो को ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम या लिंक्डइन पर एट दे रेट यूकेइननइंडिया टैग करके और हैशटैग हैजडेऑफदगर्ल का उपयोग करके साझा करना होगा। प्रति प्रतिभागी केवल एक प्रविष्टि 18 अगस्त तक उच्चायोग की वेबसाइट पर उपलब्ध ऑनलाइन फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं। उच्चायोग ने यह भी घोषणा की कि समय सीमा से अधिक के वीडियो और साहित्यिक चोरी की सामग्री वाले वीडियो को तत्काल अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। इसके बाद ब्रिटिश उच्चायोग की एक जूरी विजेता का चयन करेगी, जिसकी घोषणा एट दे रेट यूकेइनइंडिया सोशल मीडिया चैनलों पर की जाएगी।

46 साल पुराने वोयाजर-2 यान से नासा ने फिर साधा संपर्क

-19 अरब किलोमीटर दूर यान से संपर्क साधने में 18 घंटे का समय लगा

वाशिंगटन । अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने वोयाजर-2 यान से फिर संपर्क स्थापित कर लिया। दो हफ्ते पहले धरती से गलत कमांड देने के कारण वोयाजर-2 का एंटीना पृथ्वी की विपरीत दिशा में झुक गया था, जिससे लगभग 46 साल पुराने इस अंतरिक्ष यान से संपर्क टूट गया था। नासा के डीप स्पेस नेटवर्क ने वोयाजर-2 के एंटीना को पृथ्वी की तरफ मोड़ने के इरादे से ऑस्ट्रेलिया के अपने विशाल रेडियो डिश एंटीना के सबसे ताकतवर ट्रांसमिटर से बुधवार को एक नया कमांड भेजा था। नासा के मुताबिक, वोयाजर-2 के एंटीना को महज दो डिग्री घुमाने की जरूरत थी। एजेंसी के अनुसार, पृथ्वी से लगभग 19 अरब किलोमीटर दूर अंतरिक्ष की कक्षा में मौजूद वोयाजर-2 तक कमांड पहुंचने में 18 घंटे से अधिक समय लगा। नासा ने बताया कि यान से अगले 18 घंटे में संपर्क स्थापित हो गया और वह धरती पर संदेश भेजने लगा। कैलिफोर्निया की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के अधिकारियों ने कहा कि कड़ी मेहनत रंग लाई और यान से एक बार फिर डेटा प्राप्त होने लगा। प्रोजेक्ट मैनेजर सुजैन डॉडल ने कहा, मैंने राहत की सांस ली। कुर्सी पर बैठे-बैठे मेरी आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। वोयाजर-2 से एक बार फिर संपर्क स्थापित हो गया है। बाहरी सौर मंडल के रहस्यों को खंगालने के लिए वोयाजर-2 को पहली बार वर्ष 1977 में अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया था।

रूट डायवर्जन से चिढ़े पायलट ने आसमान में बनाई अश्लील तस्वीर

फ्रैंकफट। प्लेन के पायलट को रूट डायवर्ट करने से चिढ़ होने के बाद उसने आसमान में अश्लील तस्वीर बना दी। जिसे देख सभी शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटना बीते 28 जुलाई की है जब फ्रैंकफर्ट से सिसिली जा रही फ्लाइट के पायलट से कहा गया कि वह विमान को माल्टा में ही लैंड करा दे। मी?डिया रिपोर्ट के अनुसार, पायलट को बताया गया कि टर्मिनल में आग लगने के कारण परिचालन में कमी के चलते विमान फोंटानारोसा हवाई अड्डे पर नहीं उतर सकता है। साथ ही कहा गया कि आप माल्टा में लैंड कीजिए। कथित तौर पर जब फ्लाइट को डायवर्ट करने के लिए कहा गया तो काम के बीच में बदलाव के चलते लुफ्थांसा का पायलट चिढ़ गया और इसके बाद उसने विमान के धुंए से अश्लील तस्वीर बना दी। जानकारी के अनुसार उसने फ्लाइट को वापस घुमाते हुए आसमान में एक अश्लील अकृति (पुरुष का लिंग) बनाते हुए 24 किलोमीटर का सफर तय किया। इसमें उसे कुल 16 मिनट लगे। हालांकि, लुफ्थांसा ने बताया कि लिंग का आकार गलती से बन गया था और ये आकृति कंट्रोल रूम के स्क्रीन पर साफ दिखाई दी। एक रिपोर्ट के अनुसार, एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि स्थिति को देखते हुए कैप्टन को होल्डिंग उड़ान भरनी पड़ी और दोबारा संपर्क करना पड़ा, लेकिन सफलता नहीं मिली। फिर उन्होंने माल्टा के लिए उड़ान भरी, ईंधन भरा और एक अलग दिशा से कैटेनिया के पास पहुंचे। गौरतलब है कि यह कोई अनोखी घटना नहीं है। पहले भी ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जब विमान चालकों ने फालिक फ्लाइंग रूट अपनाया था।

मेक्सिको में खाई में गिरी बस, 17 की मौत, 23 घायल

मेक्सिको सिटी । पश्चिमी मैक्सिकन प्रांत नायरिट के पहाड़ी रास्ते पर एक यात्री बस 164 फुट गहरी खाई में गिर गई, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। बस में छह भारतीय भी सवार थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, नायरिट की अग्निशमन सेवा के एक सूत्र ने कहा कि छह भारतीय नागरिक बस में सवार थे। यह बस एलीट पैसेंजर लाइन का हिस्सा थी, जो मैक्सिको सिटी से रवाना हुई थी। बस का दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के सीमावर्ती शहर तिजुआना जा रही थी। बताया गया है कि एक मैक्सिकन अखबार द्वारा प्रकाशित जीवित बचे लोगों के नामों की एक आधिकारिक सूची में चार भारतीय नागरिकों की पहचान 21 वर्षीय राजन सिंह, मंदीप कुमार (22), आदमा काने (46) और हनिडोउ केन के रूप में हुई है। ड्राइवर, जिसकी पहचान फ़रांसिस्को के रूप में हुई, दुर्घटना में जीवित बच गया। जांच के लिए उसे हिरासत में ले लिया गया। उसने जांचकर्ताओं को बताया कि गाड़ी चलाते समय उसे झपकी आ गई थी। उसने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और बस रेलिंग को तोड़ते हुए खाई में गिर गई। फुटेज में सबसे पहले बचाव कार्य के लिए पहुंचने वालों को जीवित बचे लोगों की तलाश में ढलान से नीचे उतरते हुए दिखाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार नायरिट प्रांत के सुरक्षा और नागरिक सुरक्षा सचिव जॉर्ज रोड्रिग्ज ने संवाददाताओं से कहा कि बचाव अभियान बेहद कठिन था क्योंकि खाई काफी गहरी थी। पिछले महीने, दक्षिणी राज्य ओक्साका में एक और बस दुर्घटना में 29 लोगों की मौत हो गई थी। फरवरी में, दक्षिण और मध्य अमेरिका से प्रवासियों को ले जा रही एक बस मध्य मैक्सिको में दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई।

रूस ने क्रीमिया के पास टैंकर पर यूक्रेन के ड्रोन हमले का किया दावा

मॉस्को । रूसी अधिकारियों ने दावा किया कि यूक्रेनी ड्रोन हमले में कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप के पास केर्च जलडमरूमध्य में एक टैंकर क्षतिग्रस्त हो गया। सरकारी टीएएसएस समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, क्रीमिया के प्रमुख के रूस द्वारा नियुक्त सलाहकार ओलेग क्रायचकोव ने कहा कि शुक्रवार देर रात केर्च शहर के निवासियों ने विस्फोटों की आवाज सुनी। अपनी ओर से नोवोरोसिस्क के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र ने कहा कि तेज़ आवाज़ें रूस और कब्जे वाले क्रीमिया के बीच संकीर्ण समुद्री मार्ग, केर्च जलडमरूमध्य में यूक्रेनी सशस्त्र बलों द्वारा रूसी ध्वज वाले टैंकर पर हमले का परिणाम थीं। इसमें कहा गया ?कि एक टैंकर का इंजन कक्ष क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि इसके चालक दल सुरक्षित हैं। आपातकालीन स्थिति में दो टगबोट पहुंचीं। हमले के परिणामस्वरूप, वाहनों का यातायात अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था, लेकिन यह फिर से शुरू हो गया है। ज़ापोरीज़िया सैन्य-नागरिक प्रशासन के एक वरिष्ठ रूसी-नियुक्त अधिकारी व्लादिमीर रोगोव ने दावा किया कि यूक्रेन ने टैंकर को निशाना बनाने के लिए समुद्री ड्रोन का इस्तेमाल किया था। गौरतलब है कि नौसेना ड्रोन, या समुद्री ड्रोन, छोटे, मानवरहित जहाज़ हैं, जो पानी की सतह पर या उसके नीचे काम करते हैं। कथित हमले पर यूक्रेन ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बुडापेस्ट में सेचेन्याई चेन ब्रिज पर तस्वीरें लेते लोग। दो साल तक चले नवीनीकरण के बाद बुडापेस्ट का प्रतिष्ठित सेचेन्याई चेन ब्रिज, शहर का सबसे पुराना स्थायी फिर से पुल मरम्मत करके बनाया गया है। शुक्रवार को इसे पूरी तरह से आम जनता के लिए खोल दिया गया।

नाइजर में विद्रोही सैनिकों ने फ्रांस के साथ सैन्य संबंध समाप्त किये

नाइजर की सैन्य सरकार का कहना है कि उसने अपने पूर्व औपनिवेशिक शासक फ्रांस के साथ सैन्य संबंध समाप्त कर दिये है और पिछली सरकार के कुछ प्रमुख राजदूतों को हटा दिया है। सैन्य सरकार ने कहा है कि पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्र के नागरिकों को विदेशी सेनाओं और जासूसों से सतर्क रहने की चेतावनी दी गई है। राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को रिहा करने और या संभावित बल का सामना करने के लिए पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्रीय ब्लॉक द्वारा दी गई समयसीमा में दो दिन और बचे है। नाइजर में तख्तापलट की पश्चिमी देशों ने कड़ी निंदा की है। कई पश्चिमी देश अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े जिहादियों से लड़ने के प्रयासों में नाइजर को अपने आखिरी विश्वसनीय भागीदार के रूप में देखते हैं। सैन्य सरकार के शीर्ष निकाय जुंटा ने घोषणा की है कि वह फ्रांस के साथ हस्ताक्षरित सैन्य समझौतों को समाप्त कर रहा है और उसने फ्रांस, अमेरिका, टोगो और पड़ोसी नाइजीरिया में नाइजर के राजदूतों को हटाने की भी घोषणा की। तख्तापलट करने वाले नेताओं के प्रवक्ता कर्नल मेजर अमादौ अब्द्रमाने ने कहा, ''नाइजर के खिलाफ किसी भी हमले का तत्काल और बिना किसी चेतावनी के जवाब दिया जायेगा।'' बजौम ने वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक लेख में कहा कि तख्तापलट से पहले नाइजर की सुरक्षा स्थिति में सुधार हो रहा था लेकिन अब यह खतरे में है क्योंकि नाइजर विदेशी भागीदारों से सहायता खो देगा और चरमपंथी समूह देश में व्याप्त अस्थिरता का फायदा उठाएंगे। उन्होंने कहा, ''मैं इसे एक बंधक के रूप में लिख रहा हूं।''

आर्टिकल 370 को बहाल नहीं किए जाने तक भारत के साथ किसी मुद्दे पर नहीं हो सकती बात

पाकिस्तानी मंत्री ने कश्मीर को लेकर दिया बयान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। एक तरफ तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भारत के साथ युद्ध छोड़ शांति की गुहार लगाते नजर आते हैं। वहीं सरकार में उनकी सहयोगी और पाकिस्तानी विदेश राज्य मंत्री आर्टिकल 370 को लेकर बयान देती नजर आती हैं। पाकिस्तान की पत्रकार मुनीजा जहांगीर को एक इंटरव्यू में उन्होंने आर्टिकल 370 को लेकर बयान दिया है। हिना रब्बानी खार ने कहा कि जब तक भारत जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 को बहाल नहीं करता है, तब तक हमारी उनसे किसी भी मुद्दे पर बात नहीं हो सकती है। बता दें कि आज से चार बरस पहले भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 को निरस्त किया था।

पाकिस्तानी विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार का बयान साफ इशारा करता है कि पाकिस्तान भारत के साथ तभी राजनयिक संबंधों को फिर से स्थापित करेगा, जब तक भारत कश्मीर में आर्टिकल 370 लागू न कर ले। उन्होंने कहा कि बहुत सारे लोग शांति और अमन की बात करते हैं। लेकिन भारत की तरफ से पिछले दस सालों के एक्शन को देखें। उनकी तरफ से कभी कोई ऐसी पहल नहीं की गई है। जम्मू कश्मीर की विशेष स्थिति ऐतिहासिक रूप से अनुच्छेद 370 में निहित थी, जिसने इस क्षेत्र को शासन, कानून और भूमि स्वामित्व में महत्वपूर्ण वरीयता प्रदान की थी। इसे रद्द करने को पाकिस्तान ने कश्मीरी लोगों के अधिकारों का उल्लंघन और क्षेत्र की जनसांख्यिकीको बदलने के कोशिश के रूप में माना था।

बता दें कि तीन दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सभी गंभीर और लंबित मुद्दों को हल करने के लिए भारत के साथ वार्ता करने की पेशकश की। शरीफ ने यहां पाकिस्तान खनिज शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। 'डस्ट टू डेवलपमेंट' के नारे के तहत आयोजित इस बैठक का उद्देश्य नकदी संकट से जूझ रहे देश में विदेशी निवेश लाना है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट तौर पर भारत के संदर्भ में कहा कि हम हर किसी के साथ बात करने के लिए तैयार हैं, यहां तक कि अपने पड़ोसी के साथ भी बशर्ते कि पड़ोसी गंभीर मुद्दों पर बात करने के लिए गंभीर हो, क्योंकि युद्ध अब कोई विकल्प नहीं है।

कनाडा के शरणार्थी बोर्ड ने सिखों के खालिस्तानी समर्थक होने को सिरे से नकारा

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा सरकार ने ऐसे ज्यादातर दावों को खारिज कर दिया है, जिनमें सिखों को खालिस्तानी समर्थक बताया गया था। हालांकि कनाडा में सिख समुदाय के लोगों द्वारा खुद को खालिस्तान समर्थक बताकर शरणार्थी बनने के दावों में कमी नहीं आ रही है, लेकिन कनाडाई सरकार ने छानबीन के बाद सैकड़ों ऐसे दावों को खारिज कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा के आन और शरणार्थी बोर्ड (आई.आर.बी.) ने 2023 की पहली तिमाही में 833 दावों की स्वीकार किया, जबकि 222 को खारिज कर दिया है। आई.आर.बी. के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कि 2022 में 3,469 लोगों के दानों की स्वीकार किया गया था, जबकि 3,797 लोगों के खारिज कर दिए गए थे। ये लोग जबरन अपने पर खालिस्तानी होने का टैग लगाकर अपने लोगों के खिलाफ जहर उगलते हैं, ताकि उन्हें वहां पर शरणार्थी के तौर पर अपना लिया जाए। बताया जाता है कि शरण हासिल करने के लिए हलफनामा देना पड़ता है।

एक सच्चाई यह भी है कि पंजाब के सिख समुदाय के कुछ लोगों के सिर पर कनाडा में बसने का ऐसा जनून है कि वे खुद को खालिस्तानी समर्थक बनने के झूठे दावे करने से गुरेज नहीं करते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कनाडा सरकार ने शिनाख्त करने के नियम कड़े कर दिए हैं और काफी लोगों के दावे खारिज भी किए जा रहे हैं। लोग कनाडा की शरण हामिल करने के लिए हलफनामा दायर कर भारत पर राजनीतिक हिंसा का आरोप लगाते हैं। जबकि भारत की जमीन पर खालिस्तानी आंदोलन कहीं नहीं दिखाई देता है।

मुझ पर लगे आरोपों से 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में मुझे फायदा मिलेगा, डोनाल्ड ट्रंप का बाइडेन पर निशाना

मोंटेगोमेरी। (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक आपराधिक मामले में तीसरी बार अदालत में पेश होने के बाद शुक्रवार रात अभियोजकों पर निशाना साधा और कहा कि उन पर जो आरोप लगे हैं, उनसे 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में उन्हें फायदा मिलेगा। ट्रंप ने अलबामा में रिपब्लिकन पार्टी के रात्रिभोज में कहा, 'जब भी वे मुकदमा दायर करते हैं, हमें चुनाव में बढ़त मिल जाती है। इस चुनाव का अंत करने के लिए हमें एक और अभियोग की आवश्यकता है। एक और अभियोग के साथ ही इस चुनाव का अंत हो जाएगा। किसी को कोई मौका नहीं मिलेगा।'

ट्रंप ने बृहस्पतिवार को हुई सुनवाई के दौरान, 2020 के चुनाव में मिली हार के परिणामों को पलटने के अपने प्रयासों से संबंधित आरोप स्वीकार नहीं किए। इस साल ट्रंप के खिलाफ शुरू हुआ यह तीसरा मुकदमा है। इस मामले को सबसे गंभीर माना जा रहा है। संघीय सरकार ने ट्रंप पर सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण में बाधा डालने के लिए एक योजना तैयार करने का आरोप लगाया है।

छह जनवरी 2021 को जब संसद राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन की जीत की पुष्टि करने वाली थी, तब ट्रंप के समर्थकों ने 'यूएस कैपिटल' (अमेरिकी संसद परिसर) पर धावा बोलकर हिंसा और तोड़फोड़ की थी। ट्रंप ने इस मामले में अपने ऊपर लगाए गए आरोपों से इनकार किया है।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में तीन साल जेल की सजा, गिरफ्तार किये गये

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को भ्रष्टाचार के एक मामले में तीन साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में उन पर सत्ता में रहने के दौरान महंगे सरकारी उपहार बेचकर मुनाफा कमाने का आरोप है। इस्लामाबाद स्थित जिला एवं सत्र अदालत के अतिरिक्त न्यायाधीश हुमायूं दिलावर ने खान पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने कहा कि जुर्माना नहीं देने पर उन्हें और छह महीने तक जेल में रखा जाएगा। दिलावर ने अपने फैसले में कहा, 'के अध्यक्ष के खिलाफ संपत्ति की गलत घोषणा करने के आरोप साबित हुए हैं।'

अदालत के फैसले के बाद इस्लामाबाद पुलिस ने पंजाब पुलिस के सहयोग से 70 वर्षीय खान को लाहौर में उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। खान के परिवार ने यह जानकारी दी। ट्विटर पर एक संक्षिप्त पोस्ट में खान की पार्टी ने कहा, 'इमरान खान को कोट

लखपत जेल ले जाया जा रहा है।' प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के विशेष सहायक अताउल्लाह तरार ने खान की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, यह बाद में तय किया जाएगा कि उन्हें रावलपिंडी की अदियाला जेल में रखा जाएगा या कहीं और।' तोशाखाना मामला पिछले साल पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) की शिकायत पर दायर किया गया था। ईसीपी इससे पहले इसी मामले में खान को अयोग्य करार दे चुकी थी।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) द्वारा खान के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही के लिए तोशाखाना मामले की विचारणीयता को बरकरार रखने के सत्र अदालत के फैसले को रद्द करने के एक दिन बाद यह फैसला आया। ईसीपी ने 21 अक्टूबर, 2022 को खान को ''झूठे बयान और गलत जानकारी'' देने के आरोप में सार्वजनिक पद संभालने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। तोशाखाना कैबिनेट प्रभाग के अंतर्गत एक विभाग है, जहां अन्य सरकारों के प्रमुखों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा शासकों और सरकारी अधिकारियों को दिए गए उपहारों को रखा जाता है। खान ने तोशाखाना से कुछ उपहार खरीदे, जिनमें एक कीमती घड़ी भी शामिल थी, और उसे लाभ कमाने के लिए बेच दिया।

जलवायु परिवर्तन...लाखों वर्षों से दबे रोगाणु बाहर आ रहे

हेलसिंकी । एक अध्ययन बताता है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से लाखों वर्षों से दबे हुए रोगाणु पर्माफ्रॉस्ट से बाहर आने लगे हैं। इसमें से 1 प्रतिशत आज के इकोसिस्टम के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकते हैं। शोधकर्ता जियोवन्नी स्ट्रोना ने कहा, यह इस प्रकार के अतीत से आने वाले आक्रमणकारियों के इकोसिस्टम पर संभावित असर को मात्रात्मक रूप से मॉडलिंग करने का पहला प्रयास है। पर्माफ्रॉस्ट बर्फ से बंधी मिट्टी, बजरी और रेत का मिश्रण होता है। यह आर्कटिक के क्षेत्रों और अलास्का, ग्रीनलैंड, रूस, चीन और उत्तरी और पूर्वी यूरोप के कुछ हिस्सों में पृथ्वी की सतह पर या उसके नीचे पाया जाता है। जब पर्माफ्रॉस्ट बनता है, तब बैक्टीरिया और वायरस जैसे सूक्ष्म जीव इसके अंदर फंस सकते हैं। ये हजारों और लाखों साल तक बिना कोई हरकत किए जीवित रह सकते हैं। गर्मी से मेटाबॉलिक प्रक्रिया शुरू हो सकती है जो इन निष्क्रिय रोगाणुओं को फिर से सक्रिय और बाहर आने में मदद करती है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते इसमें से कुछ रोगाणु, जिनमें बीमारी पैदा करने की क्षमता वाले भी शामिल हैं, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने से बाहर आ रहे हैं। 2016 में, साइबेरिया में एंथ्रेक्स के प्रकोप से हजारों बारहसिंगों की मौत हो गई थी और दर्जनों लोग प्रभावित हुए थे। वैज्ञानिकों ने इसके लिए पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने को जिम्मेदार ठहराया था। ये रोगाणु एक संभावित खतरा पैदा करते हैं क्योंकि आज का इंसान और अन्य जीवित जीव बेहद लंबे समय से इनके संपर्क में नहीं आए हैं। स्ट्रोना ने कहा, अगर रोगाणु लंबे समय से बैक्टीरिया, इंसान या जानवरों के साथ रह रहे हों, तब आप रोगाणुओं और इनके बीच कुछ सह-विकास की उम्मीद कर सकते हैं, जो पारिस्थितिक तंत्र के लिए रोगाणुओं का खतरा कम कर देता है। लेकिन अगर आपके सामने अतीत से आया रोगाणु हो तो आपका सामना स्पष्ट रूप से नए तरह के जोखिमों से होता है।

चीन की मदद से लाहौर में बनेगी यूनिवर्सिटी, नेशनल असेंबली से बिल पास

-विधेयक से बलूच प्रांत के लोग हो रहे नाराज, बताया अधिकारों का हनन

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के लाहौर में जल्दी ही यूनिवर्सिटी बनाने का रास्ता साफ हो गया है। चीन की मदद से यह यूनिवर्सिटी बनेंगी। इसके लिए नेशनल असेंबली में बिल पास हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पाकिस्तान की शहबाज सरकार ने शुक्रवार को नेशनल असेंबली में पाकिस्तान-चीन ग्वादर यूनिवर्सिटी स्थापित करने के लिए बिल पेश किया जिसे संसद से मंजूरी भी मिल गई है। इसमें सबसे अहम बात यह है कि पाकिस्तान चीन की मदद से पाक अधिकृत कश्मीर के रास्ते सीपीईसी बना रहा है। हालांकि इस फैसले से क्षेत्र के लोग काफी नाराज दिखाई दे रहे हैं। ग्वादर या क्वेटा या बलूचिस्तान प्रांत में कहीं और के बजाय लाहौर में पाक चीन ग्वादर विश्वविद्यालय बनाने के पाकिस्तान सरकार के फैसले को लेकर बलूच लोगों में व्यापक नाराजगी है। बताया जा रहा है कि सीनेटर क़ैसर अहमद शेख द्वारा पेश पाक चीन ग्वादर विश्वविद्यालय, लाहौर विधेयक 2023 को नेशनल असेंबली द्वारा 27.07.2023 को ध्वनि मत से पारित करने के बाद सरकार के फैसले को बलूच लोग पंजाब-केंद्रित पाकिस्तान सरकार द्वारा बलूचिस्तान के लोगों से उनके अधिकारों और पहचान को लूटने का एक और प्रयास मान रहे हैं।

नेशनल असेंबली ने इसके अलावा एक विधेयक भी पारित किया है, जिसे सही से लागू करने पर देश को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की 'ग्रे सूची से हमेशा के लिए निकलने में मदद मिलेगी। संसद के निचले सदन ने उस विधेयक को पारित कर दिया, जिसमें एफएटीएफ से संबंधित सभी संस्थाओं को एक तंत्र के तहत लाने, धन शोधन और आतंक के वित्तपोषण को नियंत्रित करने के लिए एक केंद्रीय प्राधिकरण बनाने का प्रावधान है। बता दें कि पिछले साल, पाकिस्तान को आतंकी वित्तपोषण और धन शोधन पर वैश्विक निगरानी संस्था एफएटीएफ की 'ग्रे सूची से हटा दिया गया था। चार साल पहले पाकिस्तान को इस सूची में शामिल किया गया था।

मीडिया में आई खबर के मुताबिक विधेयक राष्ट्रीय धन शोधन और आतंक वित्तपोषण रोधी प्राधिकरण कानून-2023 को विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार ने पेश किया। खार ने कहा कि प्रस्तावित कानून एफएटीएफ से संबंधित सभी संस्थाओं को एक प्राधिकरण के तहत लाएगा। वर्तमान में, आतंकवाद के वित्तपोषण और लक्षित

वित्तीय प्रतिबंधों को विभिन्न कानूनों के तहत लागू किया जाता है। इनमें मुख्य रूप से 2010 का धन शोधन अधिनियम, 1997 का आतंकवाद रोधी अधिनियम और 1948 का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अधिनियम शामिल हैं। इस दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गठबंधन सहयोगियों से कहा कि वह नेशनल असेंबली को उसके कार्यकाल खत्म होने से तीन दिन पहले, नौ अगस्त को भंग करने और आर्थिक बदहाली से जूझ रहे देश में आम चुनाव के लिए तैयारी करने की सिफारिश करेंगे।

क्यों लोग चाह रहे भइयालाल राजवाड़े और अंबिका सिंहदेव दोनों 2023 के विधानसभा चुनाव में हों आमने-सामने?

2023 में दोनों को एक साथ चुनाव लड़ने का मौका मिलता तो भईयालाल के पास अपनी हार का बदला लेने व अंबिका के पास दिग्गज नेता को दोबारा मात देने का होगा मौका

- » भईयालाल राजवाड़े का घमंड जनता तोड़ चुकी अब क्या अंबिका सिंहदेव का भी घमंड तोड़ना चाहती है जनता?
- » दोनों के कार्यकाल की समीक्षा 2023 विधानसभा चुनाव के परिणाम से होगा,लोगों का है मानना
- » बैकुंठपुर विधानसभा के चुनावी खेल में वर्तमान व पूर्व के बीच टक्कर चाहती है जनता, जिससे इस बार मुकाबला बराबरी का हो
- »वर्तमान विधायक सहित विधायक समर्थक नहीं चाहते सामने हों चुनाव में भईयालाल, भईयालाल से चुनाव जीतना होगा मुस्किल उनका है मानना

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 05 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए बहुत ही कम समय बचा है, जैसे जैसे समय बीत रहा है वैसे वैसे चुनाव को लेकर सरगर्मियां बढ़ रही हैं, छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में इस बार एक चीज तुलनात्मक होगी, वह है चेहरे और शासन के कार्यकाल का, इस बार जनता फैसला तुलना पर करेगी पहले के सरकार के विधायक मंत्री बेहतर थे या अबकी बार वाले विधायक मंत्री बेहतर हैं? सारी चीजों की समीक्षा तुलनात्मक होगी और जनता दोनों की बुराई और अच्छाई की गणना करेगी, जिसकी अच्छाई ज्यादा होगी जनता उसे मौका देगी, ऐसा इस समय जनता के बीच सुनने को मिल रहा है, लुभावने वादे कम फ्री की स्कीम पर भी जनता का नहीं होगा फोकस, जनता का सिर्फ ध्यान होगा तुलना कर अपने लिए जनप्रतिनिधि चुनने में, यही वजह है कि जनता पूर्व व वर्तमान चेहरे के बीच ही मुकाबला देखना चाह रही है, जिस कड़ी में बैकुंठपुर विधानसभा की बात की जाए तो बैकुंठपुर विधानसभा के लोगों का यह मानना है कि चुनाव यदि हो तो वर्तमान विधायक व पूर्व विधायक के बीच मुकाबला हो, पिछली बार की ही तरह फिर से मुकाबला देखने को लोगों को मिले ताकि इस बार का परिणाम यह तय कर सके कि कौन बेहतर जनप्रतिनिधि है या था?

जनता ने पूर्व विधायक भईयालाल राजवाड़े का घमंड 2018 के चुनाव में तोड़ दिया था अब वर्तमान विधायक के समर्थकों का कहना है कि वह इस बार 10000 से अधिक मतों से अपने सामने वाले प्रत्याशी को पराजित करेंगी, अब यह आत्मविश्वास किन विकास कार्यों को लेकर है यह तो सोचने वाली बात है, वही पूर्व कैबिनेट मंत्री भईयालाल राजवाड़े के बारे में लोगों का यह कहना है की वर्तमान विधायक से अच्छा तो पूर्व का कार्यकाल था क्योंकि अब तुलना हो चुकी है 5 साल के कार्यकाल से 10 साल का कार्यकाल लोग बेहतर मान रहें हैं, 10 साल जनता ने पूर्व कैबिनेट मंत्री भईयालाल राजवाड़े को मौका दिया, उस समय उनके भी तेवर काफी कड़े थे और घमंड उनमें भी दिखने लगा था, जिसे लेकर जनता ने उनके घमंड को चकनाचूर कर दिया, और उन्हें विधानसभा में नई नवेले प्रत्याशी से हार का सामना करना पड़ा, अब नए नवेली प्रत्याशी के भी 5 साल का कार्यकाल जनता ने देख लिया गया है और इस बार तुलना पुराने जनप्रतिनिधि व वर्तमान जनप्रतिनिधि के बीच जनता कर रही है, हर दिन समीक्षा चौक चौराहों पर होती है जिसमें लोगों का यही

मानना है कि यह चुनाव पूर्व व वर्तमान विधायक के बीच होने चाहिए ताकि इस बार यह पता लग सके की असली जन नायक कौन है? इस बार मौन मतदाताओं की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण होगी, इस बार व्यक्तित्व की पहचान होगी इस बार यदि इन दोनों के बीच मुकाबला होता है तो बहुत सारी चीजें छनकर सामने आएंगी, दोनों नेताओं का जनाधार भी इस बार समझ में आएगा, इस बार यह समझ में आएगा कि जनता की नाराजगी किस विधायक प्रत्याशी से ज्यादा है?

वर्तमान विधायक और उनके समर्थक नहीं चाहते सामने हों भईयालाल राजवाड़े प्रतिद्वंदी

बैकुंठपुर विधानसभा में यदि वर्तमान विधायक और उनके समर्थकों की मंशा जानी जाए तो यह बात सामने आएगी की वह भी भाजपा से भईयालाल राजवाड़े को प्रत्याशी नहीं चाहते हैं। भईयालाल राजवाड़े के चुनाव में सामने होने से वर्तमान विधायक का चुनाव जीतना निश्चित नहीं है यह उनके समर्थक भी कहते सुने जा सकते हैं। भईयालाल राजवाड़े का जनाधार और उनकी लोकप्रियता साथ ही उनके कार्य करने के ढंग साथ ही जनता से उनके मिलने का ढंग जैसा मंत्री रहकर भी बना हुआ था, वैसा वर्तमान विधायक के व्यवहार में शामिल व्यवहार कभी लोगों को नजर नहीं आया वह लोगों से जुड़ पाने में असमर्थ रहीं, यह मानने वाले विधायक के ही करीबी हैं। जैसा सुनने को मिलता रहता है की स्वयं विधायक भी चाहती हैं की भईयालाल राजवाड़े उनके प्रतिद्वंदी न हों क्योंकि उनके सामने उनकी जीत तय नहीं है और इसका प्रमाण भी समाने आ चुका है, जब जिला पंचायत के उप चुनाव में भईयालाल राजवाड़े की पुत्रवधु रिकार्ड मतों से विजई हुईं, जबकि शासन सत्ता का भी पूरा जोर विधायक ने लगाने से परहेज नहीं किया। जिस जिस जगह विधायक स्वयं प्रचार में गईं वहां जमानत भी पार्टी समर्थित प्रत्याशी की नहीं बची जो परिणाम से सामने आया।

वर्तमान विधायक और पूर्व विधायक यदि होंगे चुनाव में आमने-सामने उनकी कार्यों की भी होगी परीक्षा,जो जीत सका वही माना जाएगा बेहतर

पिछले चुनाव में भईयालाल राजवाड़े चुनाव हार गए थे, उन्हे वर्तमान विधायक ने अच्छे मतों से पराजित किया था, उस समय यह माना गया था की सत्ता विरोधी लहर में भईयालाल राजवाड़े चुनाव हार गए हैं और उनकी लोकप्रियता साथ ही उनके द्वारा किए गए कार्यो से जनता नाराज नहीं थी बल्कि संयोग था जो उन्हे मात मिली, इस चुनाव में यदि वर्तमान विधायक साथ ही भइयालाल राजवाड़े यदि आमने सामने होंगे तो चुनाव परिणाम यह तय करेगा की कौन बेहतर है। किसका कार्यकाल बेहतर रहा है क्योंकि वर्तमान सहित पूर्व के कार्यकाल की समीक्षा जनता कर रही है और लगातार कर भी रही है। अब टिकट वितरण के बाद यह तय हो सकेगा को कौन कौन आमने सामने होगा लेकिन जनता वर्तमान व पूर्व के बीच ही टक्कर चाहती है जो जनता से विचार से सामने भी आ रहा है।

पिछड़ा वर्ग समाज का अच्छा खासा है जनाधार,भईयालाल राजवाड़े को इसका भी मिलेगा फायदा

बैकुंठपुर विधानसभा में पिछड़ा वर्ग समुदाय की संख्या अच्छी खासी है मतों के हिसाब से भी यह संख्या निर्णायक है, भइयालाल राजवाड़े भी पिछड़ा वर्ग समुदाय से आते हैं और विधानसभा में उनके भी समाज का अच्छी संख्या है जो उनके लिए हर स्थिति में खड़ी रहने वाली है। ऐसे में भईयालाल राजवाड़े को प्रत्याशी बनाए जाने से समाज का भी भरपूर समर्थन उनको मिलेगा जिसमे कोई शक बिल्कुल भी नहीं है। ऐसे में भईयालाल राजवाड़े एक सशक्त प्रत्याशी बनकर आज भी मैदान में हैं और जिनका विकल्प भी फिलहाल भाजपा में नहीं है।

पिछला चुनाव भईयालाल राजवाड़े का घमंड तोड़ने वाला साबित हुआ था,क्या इस बार खुद में बदलाव लाकर भईयालाल राजवाड़े तय करेंगे अपनी जीत

पिछले चुनाव में जहां एक तरफ यह माना गया था की भईयालाल राजवाड़े सत्ता विरोधी लहर की वजह से चुनाव हार गए थे वहीं यह भी माना गया था की चुनाव परिणाम उनका घमंड तोड़ने वाला साबित हुआ था, इस बार यदि भईयालाल राजवाड़े को उनकी पार्टी मौका देती है तो क्या वह अपनी पुरानी गलतियों को दूर करते हुए चुनावी मैदान में होंगे और जीत अपनी तय करेंगे यह भी सवाल सामने है। भईयालाल राजवाड़े अपनी जीत सुनिश्चित करने किस तरह जनता के बीच जाएंगे यह भी देखने वाली बात होगी यदि वह प्रत्याशी बनाए जाते हैं।

भईयालाल को टिकट नहीं मिलने पर होगी अंदरूनी बगावत

वर्तमान विधायक और उनके समर्थक यह मानकर चल रहें हैं की जैसा सुनने में भी आ रहा है की यदि भईयालाल राजवाड़े को टिकट नहीं मिलता है तो भाजपा से किसी और को उम्मीदवार बनाया जायेगा और ऐसे में भाजपा में बगावत तय है क्योंकि भाजपा में कई नेता टिकट की कतार में हैं,अब ऐसे उम्मीदवार जिन्हे टिकट नहीं मिलेगा और वह नाराज होगें तो वह बगावत करेंगे जिसका फायदा वर्तमान विधायक को होगा यह भी वह मानकर चल रहें हैं,लेकिन यह मानना की भाजपा में बगावत होगी यह भी पूर्ण रूप से सही नहीं माना जा सकता क्योंकि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को यह जरूर समझा रही है की पहले सत्ता में वापसी जरूरी है पद और टिकट की लालसा में कहीं सत्ता ही दोबारा हांथ से न चली जाए जिसको लेकर विचार करना जरूरी है।

पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग को सुधार करने जिपं उपाध्यक्ष एवं पटना सरपंच द्वारा सौंपा गया मांग पत्र

- » राष्ट्रीय राजमार्ग बायपास में बनने के बाद मूल मार्ग की स्थिति जर्जर
- » मूल मार्ग में ही बस स्टैंड, सहकारी बैंक एवं थाना है स्थित
- » यात्री वाहनों और आम जनता के आवागमन का आज भी है मुख्य मार्ग

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 05 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 जो कि ग्राम पंचायत पटना के हृदय स्थल से होकर गुजरती थी, इसके नवीनीकरण उपरांत राष्ट्रीय राजमार्ग को बायपास में स्थापित कर दिया गया और मूल मार्ग जो कि पटना बस स्टैंड से होकर थाना होते हुए डकईपारा तक गुजरती है, इस और से सबका ध्यान हट गया। जबकि आज भी यात्री वाहनों का रूट बस स्टैंड से होते हुए पुराने मार्ग से ही गुजरना होता है। इसके अतिरिक्त पटना 84 कि अधिकांश आम जनता पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग का ही उपयोग करती है। परंतु पुराने मार्ग की स्थिति इतनी जर्जर हो चुकी है, कि उसमें चलना दूभर और दुष्कर कार्य है। बड़े-बड़े गड्ढे हो जाने के कारण बारिश उपरांत उन गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे आए दिन दुर्घटना होती है और दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। इस ओर अभी तक किसी का ध्यान नहीं गया था, परंतु जन नेता एवं वर्तमान में जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोरिया वेदांती तिवारी एवं पटना सरपंच श्रीमती गायत्री सिंह ने कलेक्टर जिला कोरिया को ज्ञापन सौंपते हुए उक्त जर्जर एवं उबड खाबड मार्ग के मरम्मत के लिए ज्ञापन सौंपा है। सौंपें गये ज्ञापन के अनुसार पुराना राजमार्ग सदियों पुराना है, और आवागमन का प्रमुख रूट है, जिसकी स्थिति बेहद जर्जर और उबड़ खाबड़ हो चुकी है। इस मार्ग से 24 घंटे भारी वाहनों और यात्री बसों का आवागमन होता रहता है। परंतु जर्जर स्थिति होने के कारण आकस्मिक दुर्घटनाएं भी होती रहती हैं। जिसके डामरीकरण के लिए यह मांग पत्र सौंपा गया है। लगभग 1.5 से 2 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के पुनः डामरीकरण और मरम्मत हो जाने के बाद पटना चौरासी की आम जनता को राहत मिलेगी। एक ओर जहां चुनावी वर्ष में विधानसभा के स्वघोषित उम्मीदवार टिकट की उम्मीद में राजधानी तक की दौड़ लगा रहे हैं, प्रतिदिन सोशल मीडिया के माध्यम से अपने जनसंपर्क के फोटो का अंबार लगा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जमीनी नेता जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी लगातार जनता की समस्याओं से रूबरू होकर उसके निराकरण का अथक प्रयास कर रहे हैं। निश्चय ही पटना सरपंच के साथ उनका इस मार्ग के दुरुस्तीकरण के लिए प्रयास सराहनीय है।

न्यायालय,प्रधान जिला न्यायाधीश-सह-मोटरयान दुर्घटना दावा अधिकरण,गढ़वा

मोटर दुर्घटना दावा (एम.भी.) वाद सं0 - 05/2020

हसबुन बीबी पति स्व0 एहसान अंसारी एवं 04 अन्य (आवेदकगण) सभी निवासी ग्राम-बैरियादामर, थाना डंडई,जिला-गढ़वा (झारखण्ड)

बनाम्

खुर्शीद अंसारी पिता उसमान अंसारी (विपक्षी सं0-2) निवासी ग्राम- राजा कटेल थाना-लखनपुर, जिला-सरगुजा (छत्तीसगढ़) चालक, वाहन निबंधन सं0- यू.पी.-64 टी-2451

इस नोटिस के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि आवेदगण हसबुन बीबी वैगरह ने आपके विद्ध मेरे न्यायालय में मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 166 के अन्तर्गत, मोटर दुर्घटना दावा (एम0भी0) वाद सं0 - 05/2020 दायर किया है जो लम्बी अवधि से आपकी उपस्थिति हेतु लंबित चला आ रहा है। वाद में सुनवाई हेतु अगली तिथि दिनांक 25.08.2023 निर्धारित की गई है जिसमें आपकी उपस्थिति अनिवार्य है।

अतः आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25/08/2023 को 10.30 बजे पूर्वाह्न में इस न्यायालय उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे अन्यथा आपके विरूद्ध एकपक्षीय सुनवाई की जाएगी।

आज दिनांक 01/08/2023 को मेरे मुहर एवं हस्ताक्षर से निर्गत।

सील

प्रधान जिला न्यायाधीश-सह-मोटरयान दुर्घटना दावा अधिकरण,गढ़वा

नाम परिवर्तन सूचना

मै नवीन कुमार अग्रवाल s/o रामविलाश अग्रवाल वार्ड क्र.1 भगवानपुर अम्बिकापुर छत्तीसगढ़ ये घोषणा करता हूँ की पूर्व मे मेरा नाम नविन अग्रवाल था जिसे सुधार कर लिया है अतः आज दिनांक -05/08/2023 से मुझे समस्त शासकीय दस्तावेज मे मेरा नया नाम नवीन कुमार अग्रवाल से जाना और पहचाना जावेगा।

कंजक्टिवाइटिस होने पर रखें स्वच्छता का ध्यानःडा.ओझा

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़ 05 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। जिला मुख्यालय समेत आसपास इन दिनों लोग कंजक्टिवाइटिस से परेशान हैं.कंजक्टिवाइटिस को आमतौर पर 'आँख आना' कहते है। यह एक प्रकार का संक्रमण होता है जिसके कारण आँखों में सूजन होती है। यह संक्रमण आँख की बाहरी परत और पलक की अंदरूनी सतह पर होती है। इसकी वजह से आँखे लाल, सूजनयुक्त, चिपचिपी (कीचड़युक्त) हो जाती है और उनमें बाल चुभने जैसी अनुभूति होती है। इस सम्बन्ध में चैनपुर में संचालित ए के नर्सिंग कालेज के संचालक डा. ए के ओझा ने बताया कि कंजक्टिवाइटिस प्रायः एलर्जी या संक्रमण

के द्वारा होता है। यह संक्रमण वायरल और बैक्टिरीयल दोनों प्रकार से हो सकता है।

डा. ओझा ने बताया कि बैक्टिरीयल कंफक्टिवाइटिस संक्रमण हमारी त्वचा या श्वसन प्रणाली से स्टाइफाइलोकोक्कल या स्ट्रेप्टोकोक्ल बैक्टेरीर से होता है। कीड़े, साफ-सफाई का ध्यान न रखना, अन्य लोगों के साथ शारीरिक संपर्क के कारण यह होता है। वायरल कंजक्टिवाइटिस आमतौर पर जुकाम से जुड़े संक्रामक वायरस के कारण होता है। यह ऊपरी श्वसन पथ के संक्रमण वाले किसी व्यक्ति के खाँसी या छींकने के संपर्क से हो सकता है। इसमें कंजक्टिवाइटिस के अन्य लक्षणों के साथ ठंड, फ्लू या अन्य श्वसन संक्रमण के लक्षण भी हो सकते हैं। आमतौर पर यह एक आँख से शुरु होता है और कुछ दिनों में दूसरी आँख में भी फैल सकता है तथा इसमें आँख से पतला रिसाव होता है।

डा. ओझा ने बताया कि एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस उन लोगों को होता है जिन्हें मौसम के अनुसार एलर्जी होती है। ये जब किसी ऐसे पदार्थ के सम्पर्क में आते है जो उनकी आंखों में एलर्जी की प्रतिक्रिया पैदा करते हैं तो उन्हें एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस हो जाता है। यह आमतौर पर दोनों आँखों में होता है, इसमें आँखों में खुजली आँसु आना और सूजन जैसे लक्षण होते है। अक्सर यह एलर्जी के अन्य लक्षणों के साथ होता है जैसे नाक में खुजली, छींके आना या गले में खराश होना।

एसडीएम बैकुंठपुर के नाम पर ही सहायक खाद्य अधिकारी कर रहे थे अवैध उगाही,क्या उन्हे इसीलिए भेजा गया एसडीएम कार्यालय ?

कठोर कार्यवाही होती तो बनती अन्य के लिए मिशाल,हालिया कार्यवाही से नहीं दिखेगा रिश्वतरखोरों में भय

- » रिश्वत लेने वाले सहायक खाद्य अधिकारी को कलेक्टर कोरिया ने किया निलंबित,निलंबन अवधि में मुख्यालय एसडीएम कार्यालय बैकुंठपुर किया नियत
- » मामले में एसडीएम बैकुंठपुर की भूमिका की भी होनी थी जांच,लेकिन अब उन्ही के संरक्षण में जिला सहायक खाद्य अधिकारी
- » सहायक खाद्य अधिकारी का अपराध कैमरे में है रिकार्ड,फिर भी मामले में जांच सहित आगे की कार्यवाही का क्यों नहीं है उल्लेख?
- » क्या सहायक खाद्य अधिकारी को बचाने का किया जा रहा है प्रयास,क्या मामले को ठंडे बस्ते में डालने का हो रहा प्रयास?

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 05 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के जिला मुख्यालय से एक सहायक खाद्य अधिकारी का रिश्वत लेते विडियो जारी हुआ था और मामले में कलेक्टर कोरिया ने कार्यवाही करते हुए प्रथम दृष्टया दोषी मानकर सहायक खाद्य अधिकारी को निलंबित कर दिया है, निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय भी नियत किया गया है जो एसडीएम कार्यालय बैकुंठपुर हैं जहां वह अपनी उपस्थिति देते रहेंगे। प्रदेश सहित जिले में लगातार सामने आ रहे रिश्वतखोरी के मामले साथ ही भ्रष्टाचार के मामले में प्रशासन की कार्यवाही भी निलंबन तक सीमित रह रही है जिसके कारण रिश्वतखोरी के मामले साथ ही भ्रष्टाचार के मामले कम होने की बजाए बढ़ते जा रहें हैं क्योंकि भ्रष्टाचार में लिप्त साथ ही रिश्वतखोरी में लिप्त अधिकारी कर्मचारी यह मानकर चल रहें हैं की अधिक से अधिक उनके ऊपर निलंबन की कार्यवाही होगी और जो बाद में कार्य बहाली में बदल जायेगी। बैकुंठपुर की ताजा घटना में जिसमे रिश्वतखोर सहायक खाद्य अधिकारी की विडियो जारी हुई है रिश्वत लेते हुए उसमे कलेक्टर कोरिया ने तत्परता तो दिखाई है कार्यवाही में लेकिन इस कार्यवाही को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं और लोग इसे नाकाफी बता रहें हैं साथ ही वह इस बात से भी हैरान हैं की जिस एसडीएम के नाम पर उनकी नाराजगी के नाम पर सहायक खाद्य अधिकारी पेट्रोल पम्प संचालक से रिश्वत ले रहे थे सहायक खाद्य अधिकारी को निलंबन अवधि में उन्ही के कार्यालय में मुख्यालय प्रदान किया गया है जिससे यह सवाल उठ रहा है की यह कहीं दोषी रिश्वतखोर अधिकारी को सुविधा साथ ही आगे चलकर उसे बचाने के उद्देश्य से तो नहीं किया गया है क्योंकि एसडीएम बैकुंठपुर के वाहन में ईंधन को लेकर ही एसडीएम नाराज हैं और उसी लिए रिश्वत की मांग अधिकारी कर रहा था। मामले में कार्यवाही कठोर होनी चाहिए थी जो मिसाल बनती साथ ही एस डी एम बैकुंठपुर की भूमिका भी मामले में जांच के दायरे में होती तब न्याय हो रहा है और कार्यवाही सही दिशा में जारी है ऐसा माना जाता ऐसा लोगों का मानना है। अब जबकि रिश्वतखोर अधिकारी एस डी एम बैकुंठपुर के संरक्षण में रहने वाले हैं और वहीं से वह जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने वाले हैं ऐसे में कार्यवाही को लेकर सवाल उठना लाजमी भी है।

कठोर कार्यवाही होती तो अन्य के मन में भी समाता भय,वर्तमान कार्यवाही से नहीं लगेगा रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार पर प्रतिबंध

प्रदेश सहित जिले में रिश्वतखोरी साथ ही भ्रष्टाचार के मामले लगातार सामने आते रहते हैं,रिश्वत कार्यालयों में निश्चित रूप से दी जाने वाली प्रथा बन चुकी है साथ ही प्रत्येक शासकीय विभाग में भ्रष्टाचार भी चरम पर है और ऐसे में जिसका भ्रष्टाचार साथ ही रिश्वतखोरी समाने आती है यदि उसके ऊपर कार्यवाही कठोर की जाए तो इस पर रोक लग सकती है साथ ही अन्य के मन में भी भय व्याप्त होगा और जिससे आने वाले समय में लोगों को इससे निजात मिलेगा,,लेकिन वर्तमान में ऐसे मामलो में कार्यवाही निलंबन तक ही सीमित है और इस तरह की कार्यवाही से भ्रष्टाचार में संलिप्त साथ ही रिश्वतखोर डरने वाले नहीं हैं और वह मानकर चलते हैं की जल्द उनकी बहाली हो ही जानी है और वह निश्चिंत रहकर रिश्वतखोरी भ्रष्टाचार को अंजाम देते जा रहे हैं।

जब विडियो सबूत मौजूद तो क्यों नहीं हो रही कठोर कार्यवाही?

बैकुठपुर रिश्वतखोरी मामले में सहायक खाद्य अधिकारी के विरुद्ध विडियो सबूत मौजूद है,आम व्यक्ति भी जिसने विडियो देखा वह समझ गया की रिश्वत ली गई और जिसके नाम से ली गई उसका नाम भी रिश्वतखोर अधिकारी ने लिया,अब साक्ष्य और प्रमाणित सबूत होने के बाद भी निलंबन की कार्यवाही की गई जो सवाल खड़े करता है। मामले में कठोर कार्यवाही होनी चाहिए थी यह लोगों का मानना है जिससे शासन से भी वेतन ले रहे साथ ही रिश्वत और भ्रष्टाचार से अपनी जेब भर रहे अधिकारी कर्मचारी आगे से सचेत रहते और इसकी पुनरावृति नहीं होती।

मामले में जांच होगी आगे कार्यवाही कठोर होगी इस बात का भी अभी पता नहीं

पूरे मामले में निलंबन की कार्यवाही कर दी गई है और कार्यवाही में इस बात का उल्लेख नहीं है की आगे मामले में जांच होगी की नहीं होगी कठोर कार्यवाही होगी की नहीं होगी, एस डी एम की भूमिका जो मामले में सामने आई है उसकी जांच होगी की नहीं होगी,सवाल बहुत हैं लेकिन जवाब आना बाकी है। पूरे मामले में जांच संस्थित कर जब निस्पक्षता से जांच की जायेगी तभी कार्यवाही को लेकर यह कहा जा सकेगा की कार्यवाही सही दिशा में है और आगे मिशाल बनेगी,वहीं अभी तो यही आभास हो रहा है की निलंबन बहाली के लिए की गई है जैसा लोगों का भी मानना है।

CMYK

निर्माणाधीन सेफ्टी टैंक के अंदर अवैध शराब के भंडारण को लेने उतरे तीन लोगों में से एक की मौत

-संवाददाता-
कोरबा,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कोरबा शहर के वार्ड क्र. 07 पोखरीपारा सीतामढ़ी में निर्माणाधीन एक सेप्टिक टैंक में अवैध रूप से महुआ शराब बनाने का अवैध कार्य किया जा रहा था। पुलिस पकड़ न ले इसलिए निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक को सुरक्षित मानकर उसके अंदर अवैध रूप से शराब बनाया जा रहा था । बताया जा रहा है के महुआ निकालने 10 फीट गहरे टैंक में उतरे 30 वर्षीय नरेंद्र कुमार सहिस बेहोश हो गया। जिसकी जानकारी मिलने पर मान गुड्डू और बिहारी यादव नामक दो युवक भी बारी- बारी टैंक में उतरे लेकिन वह दोनों भी बेहोश हो गए। बस्ती में इसकी खबर फैलते ही कुछ लोग किसी तरह तीनों को टैंक से बाहर निकाले एवं 112 के माध्यम से जिला अस्पताल ले जाया गया जहां नरेंद्र सहिस को मृत घोषित कर दिया गया वहीं मान गुड्डू और बिहारी यादव का गंभीर अवस्था में इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच मामले की छानबीन कर रही है।

वहीं उक्त मामले की जानकारी पर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने घटना को तत्काल संज्ञान में लेते हुए निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी को स्थल निरीक्षण कर वस्तुस्थिति की जानकारी देने के निर्देश दिये थे। स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने मौके पर पहुंच स्थल का निरीक्षण करने के उपरांत वस्तुस्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि निगम के वार्ड क्र. 07 पोखरीपारा सीतामणी स्थित बस्ती में अवैध रूप से मकान का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें एक अंडरग्राउंड टैंक भी बनाया गया है, जिसका भविष्य में उपयोग सेप्टिक टैंक के रूप में किया जाना था, किन्तु वर्तमान में अभी उक्त सेप्टिक टैंक चालू नहीं था। उन्होने बताया कि टैंक खाली होने के कारण टैंक में कंटेनरों में अवैध शराब का भण्डारण किया गया था तथा टैंक के अंदर भी शराब बनाने की जानकारी भी मौके पर मिली है।

मिशन इन्द्रधनुष टीकाकरण अभियान 21 से 26 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा

-संवाददाता-
कोरबा,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

टीकाकरण सुदृढ़ीकरण एवं मीजल्स एवं रूबेला वैक्सीन की डोज से छूटे हुए, लेफ्ट आउट, ड्राप आउट लाभार्थियों तथा गर्भवती महिलाओं को टीकाकृत किए जाने हेतु मिशन इंद्रधनुष अभियान का प्रथम चरण 07 से 12 अगस्त तक चलाया जाना था। अपरिहार्य कारणों से पूर्व निर्धारित सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 की तिथयों में संशोधन किया गया है। अब निम्नानुसार दिवसों पर आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण 21 से 26 अगस्त, द्वितीय चरण 20 से 26 सितंबर (रविवार को छोड़कर) तथा तृतीय चरण 25 से 31 अक्टूबर 2023 (रविवार को छोडकर) आयोजित किया जाएगा। जिसमें विभिन्न बीमारियों से बचाव हेतु टीकाकरण किया जाएगा। कलेक्टर श्री सौरभ कुमार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वा. अधिकारी डॉ.एस.एन. केशरी ने जिले के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों तथा पात्र लाभार्थियों के पालकों से अपील किए हैं कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए 0 से 5 वर्ष तक के आयु अनुसार बच्चों को, वैक्सीन से छूटे हुए बच्चों, लेफ्ट आउट, ड्राप आउट लाभार्थियों तथा गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण कराएं। जिससे गर्भवती महिलाओं को गंभीर बीमारियों के साथ ही शिशुओं को वैक्सीन से रोकी जा सकने वाली विभिन्न बीमारियों से बचाव हो सके।

कार्यपालन अभियंता अनुपम सरकार को दी गई भावभीनी विदाई

-संवाददाता-
कोरबा,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कोरबा जिले में कार्यपालन अभियंता शहर संभाग अनुपम सरकार के स्थानांतरण व तुलसी नगर जोन के वरिष्ठ कर्मचारी मुन्चु राम केंवट को सेवानिवृत्त होने पर रशियन हॉस्टल में एक कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें विदाई दी गई। छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ की ओर से पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधीक्षण अभियंता पी.एल. सिदार एवं विशिष्ट अतिथि सहायक अभियंता सी.के. राठौर, तुषार सिन्हा रहे। अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालन अभियंता ने सेवानिवृत्त कर्मचारी को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ सचिव एवं प्रदेश मंत्री यशवन्त राठौर ने किया। इस दौरान कनिष्ठ अभियंता अंजुलेस पैंकरा, राहुल गुप्ता, साकेत, विशाल सिंह, आईपी मैत्री, एम. रेड्डी, राहुल त्रिपाठी, सूरज साव, गजेन्द्र कौशिक, सतीश साहू, देवानंद बढ़ई, बसंत पटेल, हरिश राठौर, छत्रपाल सिंह, भोजराम, उमेश यादव एवं बड़ी संख्या में नियमित व आउटसोर्सिंग कर्मचारी उपस्थित रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई में हेल्थ कैंप का आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशन व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आर. एस.सिंह के मार्गदर्शन में आंखों के बढ़ते संक्रमण के रोकथाम हेतु जिले भर में आवासीय स्कूल छात्रावासों, आश्रमों में संक्रमण की रोकथाम हेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। नोडल अधिकारी अंधत्व डॉ. तेरस कंवर एवं सहायक नोडल अधिकारी मुकेश राजवाड़े के द्वारा प्रतिदिन सभी ब्लाकों ब्लाकों से समन्वय कर इस स्थिति पर बराबर नजर बनाए हुए राज्य कार्यालय को रिपोर्टिंग की जा रही है। इसी कड़ी में जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई में शिविर का आयोजन किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बसदेई के आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश गुप्ता, फार्मासिस्ट प्रियंका घोष, नेत्र सहायक अधिकारी ऋतुराज सिन्हा, मो. इमरान खान के द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय में हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। बच्चों को संक्रमित होने से बचाने के लिए सावधानी और सतर्क रहने की जरूरत हेतु स्वास्थ्य शिक्षा दी गई। सभी बच्चों का आई चेकअप किया गया। जिसमें 88 बच्चों को कंजेक्टिवाइटिस होना पाया गया। सभी बच्चों को ड्रॉप आवश्यक दवा वितरित की गई। इस अवसर पर बच्चों को जानकारी देते हुए। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति कई लोगों को संक्रमित कर सकता है। इस वजह से संक्रमित होने वाले बच्चे लगातार इसके चपेट में आ रहे है। भीड़-भाड़ वाले इलाके में जाने से बचना चाहिए और लक्षण दिखाई पड़ते ही तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें और अपने आप को आइसोलेट करें। बच्चे जब तक पूरी तरह से ठीक न हो जाएं तब तक स्कूल न जाएं। संक्रमित बच्चे और बड़े सभी काला चश्मा का प्रयोग करें। इसी तरह से जिले के समस्त विकासखंडों में खंड चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन में नेत्र सहायक अधिकारियों द्वारा में आश्रम छात्रावासों में शिविर लगाकर बच्चों का परीक्षण कर त्वरित उपचार प्रदान किए जा रहे हैं।

एसईसीएल मानिकपुर प्रबंधन द्वारा दादर खुर्द जाने वाले मुख्य मार्ग में डाला जा रहा कचरा

-संवाददाता-
कोरबा,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कोरबा के मानिकपुर क्षेत्र में एस ई सी एल प्रबंधन के द्वारा दादर खुर्द गांव के जानें वाले मुख्य मार्ग में गंदगी को फेका जा रहा है। मानिकपुर से दादर खुर्द को जानें के लिए यह मुख्य रास्ता जिसके दोनो ओर प्रबंधन द्वारा कॉलोनी से निकलने वाले कचरों एवं गंदगी को मुख्य मार्ग में डाला जा रहा है, जिससे ग्राम वासियों को आने जाने में कठिनाइयों के साथ साथ इन कचरे के जमाओं से होने वाले गंभीर बीमारियों का भी खतरा बढ़ गया है। ग्राम वासियों के द्वारा कई बार निवेदन करने पर भी प्रबन्धन के कान में जूं नही रेंग रहा जिससे प्रबंधन के विरूद्ध ग्राम वासियों में रोष व्याप्त है। उक्त संबंध में ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार द्विवेदी ने कहा कि 03 दिन के अन्दर अगर यदि प्रबंधन अपनी गलती नहीं सुधारता है तो उग्र आंदोलन कर ग्रामवासी खदान बंद करेंगे एवं उसी स्थान में बैठकर हड़ताल करेंगे।

नव मतदाता संपर्क अभियान पर प्रभारियों का 04 दिवसीय प्रवास पूर्ण

-संवाददाता-
कोरबा,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सभी जिलों मे युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं इसी तारतम्य मे कोरबा जिले के भी चारों विधानसभा के सभी मंडलों मे नव मतदाता संपर्क अभियान जारी है ।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष पंकज सोनी ने बताया की भाजयुमो का नव मतदाताओं से संपर्क का कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है 2 तारीख से 5 तारीख तक जिले के भाजयुमो सह प्रभारी रितेश अग्रवाल, राहुल सेन प्रवास पर रहे उन्होंने सभी मंडलों मे जाकर युवाओं से संपर्क किया.साथ ही चारों विधानसभा के प्रभारी पवन पैकरा, ओंकार पटेल,सुनील शुक्ला,युवराज सिंह, प्रीति स्वर्णकार सभी ने अपने प्रभार विधानसभा मे तथा अभी चार दिवसीय प्रवासी कार्यक्रम मे मंडल अध्यक्ष रामअवतार, दिनेश, किशन, रवि साहू, त्रिभुवन, धनंजय एवं उनकी टीम के साथ मिलकर नव मतदाताओं से वन टू वन संवाद किया साथ ही सभी प्रभारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा युवाओं से सीधे उनके घर,महाविधालय अथवा अन्य स्थानो पर संपर्क कर भाजपा के रीती नीति एवं केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे मे अवगत कराया गया. आने वाले समय मे शीघ्र विधानसभा स्तर पर भाजयुमो द्वारा नव मतदाता का सम्मेलन भी कराया जाएगा।

मणिपुर हिंसा के विरोध में संयुक्त मसीही सेवा समिति ने निकाली मौन रैली

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

मणिपुर में मसीही समाज के साथ हो रहे अत्याचार के विरोध में संयुक्त मसीही सेवा समिति के तत्वाधान में जिला मुख्यालय मौन रैली का आयोजन किया गया है। इस संबंध में समाज के अध्यक्ष अजय लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि मणीपुर में मसीही समाज के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार व अत्याचार हो रहा है। जिसके विरोध में समाज के द्वारा जिला मुख्यालय सूरजपुर के नया बस स्टैण्ड से मौन रैली का आयोजन किया गया । मौन रैली नया बस स्टेण्ड से प्रारंभ होकर सुभाष चौक होते हुए शांति गली से होकर नया बस स्टैण्ड पहुंच समाप्त हुई । तत्पश्चात महामहिम राष्ट्रपति के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन सौंपे।

कलेक्टर ने बीमा रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

-संवाददाता-
बलरामपुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने आज संयुक्त जिला कार्यालय परिसर से बीमा रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री फसल बीमा अंतर्गत यह रथ गांव-गांव जाकर किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे में जानकारी देगा। इसके साथ ही वर्ष 2023-24 में विभिन्न फसलों के बीमा के लिए किसानों को प्रोत्साहित करेगा।

अऋणी किसानों को शत-प्रतिशत बीमा का लाभ दिलायें: कलेक्टर श्री एक्का

कृषि विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न, फसल बीमा को लेकर लापरवाही बरतने पर बीमा अधिकारियों को दिया सख्त निर्देश

-संवाददाता-
बलरामपुर,05 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कलेक्टर रिमिजियुस एक्का ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक ली। उन्होंने विभाग के अधिकारियों से राज्य और केंद्र पोषित योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर ने विभाग में संचालित योजनाओं जैसे- किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, गोधन न्याय योजना आदि की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मौजूदा खरीफ वर्ष 2023-24 के लिए बीज लक्ष्य, भण्डारण एवं वितरण की समीक्षा की।

बैठक में कलेक्टर ने वर्षा की स्थिति को देखते हुए मौजूदा खरीफ वर्ष 2023-24 के लिए कृषि विभाग द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि यह समय खेती-किसानी के लिए महत्वपूर्ण है। जिले में वर्षा की स्थिति को देखते हुए कृषि विभाग को सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा करते हुए जिले में ऋणी और अऋणी किसानों की जानकारी ली। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के सभी अऋणी किसानों को शत-प्रतिशत बीमा का लाभ प्रदान करें। कलेक्टर श्री एक्का ने बीमा अधिकारियों द्वारा समय पर किसानों को फसल बीमा के लिए निर्धारित प्रारूप में फॉर्म उपलब्ध न करवाने की लापरवाही बरतने पर नाराजगी व्यक्त की और लक्ष्य के अनुरूप शीघ्र फॉर्म आबंटन के निर्देश दिए। गौरतलब है कि खरीफ वर्ष 2023-24 के लिए बीमा कराने की अंतिम तिथि 16 अगस्त निर्धारित है परन्तु बीमा अधिकारियों द्वारा लक्ष्य से बेहद कम स्तर पर फॉर्म आबंटन किया गया है। इसके अलावा कलेक्टर ने अऋणी किसानों के शत-प्रतिशत बीमा कराने के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य आवंटन करने एवं विशेष मॉनिटरिंग प्रणाली के तहत दायित्व निर्वहन कराने के लिए उप संचालक कृषि एवं अधिनस्थ कृषि अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया। इसके अलावा कलेक्टर श्री एक्का ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की विस्तृत समीक्षा करते हुए किसानों का ई-केवाईसी, लैण्ड सीडिंग एवं आधार सीडिंग पूर्ण कराने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए। साथ ही कलेक्टर ने अधिकारियों से किसान क्रेडिट कार्ड के संबंध में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड निर्माण हेतु कुल प्रेषित प्रकरणों के विरुद्ध स्वीकृत प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने जिले में उर्वरक लक्ष्य भण्डारण, स्वाईल हेल्थ कार्ड, बीज (मिनी कीट) लक्ष्य एवं भण्डारण की जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति व मिलेट मिशन योजना के तहत लघु धान्य फसल के प्रस्तावित क्षेत्राच्छादन की जानकारी ली। उन्होंने सौर सुजला योजना के लक्ष्य के प्रगति की जानकारी लेते हुए लक्ष्य प्राप्ति हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री शशि चौधरी, उप संचालक कृषि श्री एस.के. प्रसाद, सहायक संचालक उद्यानिकी श्री पतराम सिंह सहित कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

CMYK

भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए आयरलैंड ने किया टीम का ऐलान

डबलिन,05 अगस्त 2023। आयरलैंड ने भारत के खिलाफ 18 अगस्त से मलाहाइड में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर फिओन हैंड और लेग स्पिनर गैरेथ डेलानी को शामिल किया है।

फिओन हैंड 2024 पुरुष टी20 विश्व कप के लिए आयरलैंड की टीम में चयन से चूक गए थे, जबकि डेलानी जून में जिम्बाब्वे में पुरुष एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर के दौरान लगी चोट से वापसी कर रहे हैं। आयरलैंड पुरुष राष्ट्रीय चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा, खिलाड़ियों को अवसर देने से श्रृंखला भी प्रभावित होती है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि भारत श्रृंखला टीम में नामित सभी 15 खिलाड़ी किसी न किसी रोल में फिट बैठेंगे। भारतीय टीम का आयरलैंड पहुंचना समर्थकों के लिए रोमांचक है, लेकिन जैसा कि हमने पिछले साल दिखाया था कि हमारे पास खेल के मैदान पर उनकी बराबरी करने की प्रतिभा और आत्मविश्वास है और हमें एक और कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली श्रृंखला से काफी उम्मीदें हैं।

भारत और आयरलैंड के बीच तीन टी-20 मैच 18, 20 और 23 अगस्त को मलाहाइड में खेले जाएंगे। यह सीरीज 2024 पुरुष टी-20 विश्व कप क्वालीफिकेशन हासिल करने के बाद आयरलैंड की पहली द्विपक्षीय टी-20 सीरीज है।

ये सीरीज दोनों टीमों के लिए वेस्टइंडीज और यूएसए में जून 2024 में होने वाले मेगा टूर्नामेंट के लिए रणनीतिक योजना के हिस्से के रूप में माना जा रहा है।

भारत और आयरलैंड ने जून 2022 में दो मैचों की टी20 श्रृंखला खेली, जिसमें टीम इंडिया ने श्रृंखला 2-0 से जीती, हालांकि मेजबान टीम ने भारत को कड़ी टक्कर दी थी।

आगामी दौरे के दौरान, भारत की कप्तानी तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह करेंगे, जो इंजरी के कारण लंबे ब्रेक बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। आयरलैंड टीमः पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), एंड्रयू बालबर्नी, मार्क अडायर, रॉस अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, फिओन हैंड, जोश लिटिल, बैरी मैक्कार्थी, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, थियो वैन वोर्कोम, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

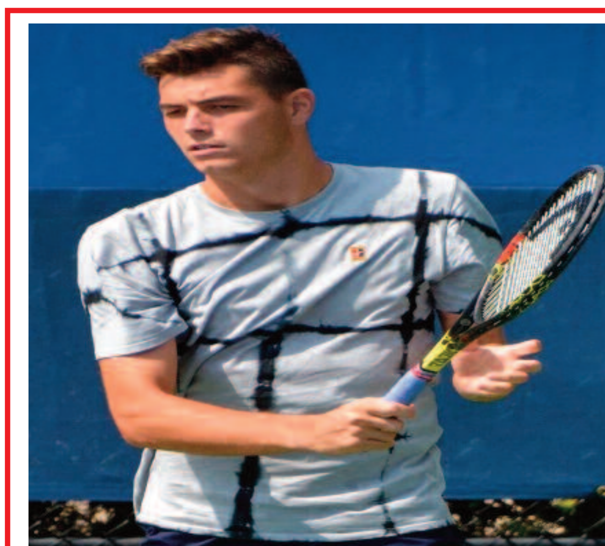

टेलर फिट्ज डीसी ओपन सेमीफाइनल में

पेगुला और गॉ भी जीते

वाशिंगटन ,05 अगस्त 2023। अमेरिका के टेलर फिट्ज ने लगातार दो मुकाबले जीतकर डीसी ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। पहले उन्होंने ब्रिटेन के एंडी मर्रे को 6 . 7, 6 . 3, 6 . 4 से हराया। बारिश के कारण यह मुकाबला बृहस्पतिवार को नहीं खेला जा सका था। इसके बाद जोर्डन थाम्पसन को 6 . 3, 6 . 3 से मात दी।

यह इस सत्र में उनकी 41वीं जीत थी और उनसे अधिक मैच नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और तीसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने ही जीते हैं। अन्य मैचों में फ्रांस के गाएल मोंफिल्स ने जेजे वोल्फ को 7 . 5, 6 . 4 से हराया। फ्रांस के ही फ्रांसिस टियाफो ने क्वालीफायर शांग जुनचेंग को 6 . 2, 6 . 3 से मात दी। अब उनका सामना नौवीं रैंकिंग वाले डैन इवांस से होगा। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने एलिना स्वितोलिना को 4 . 6, 6 . 3, 6 . 4 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। अब उनका सामना चौथी रैंकिंग वाली मारिया सक्कारी से हागा जिन्होंने लैला फर्नांडिज को 7 . 5, 6 . 2 से हराया। कोको गॉ ने तोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बेलिंडा बेंचिच को 6 . 1, 6 . 2 से हराया।

भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने रचा इतिहास

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में जीता ऐतिहासिक स्वर्ण पदक

बर्लिन,05 अगस्त 2023। ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति गोपीचंद स्वामी की भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 में स्वर्ण पदक जीता। यह किसी भी वर्ग में तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण है। भारतीय तिकड़ी ने फाइनल में मैक्सिकन टीम डैफने क्विंटेरो, एना सोफिया हर्नांडेज़ जियोन और एंड्रिया बेसेरा को 235-229 से हराया। सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने मौजूदा चैंपियन कोलंबिया को 220-216 से हराया। पहले राउंड में बाई मिलने के बाद टीम ने क्रमशः क्वार्टर फाइनल और प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे और तुर्की की चुनौती पर काबू पा लिया। बर्लिन प्रतियोगिता से पहले, भारत ने विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में 11 पदक जीते थे नौ रजत और दो कांस्य।2017 और 2021 में रजत और 2019 में कांस्य के बाद यह स्वर्ण विश्व चैंपियनशिप में कंपाउंड महिला टीम में भारत का लगातार चौथा पदक था। ज्योति वेन्नम सभी चार पदक विजेता टीमों का हिस्सा रही हैं। दूसरी ओर, अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और प्रथमेश जावकर की भारतीय कंपाउंड पुरुष टीम नीदरलैंड से 230-235 से हारकर क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने टीम को बधाई देते हुए ट्विटर पर लिखा, तीरंदाजों की तिकड़ी को सलाम, जिस आत्मविश्वास और कौशल के साथ आपने भारत को जीत दिलाई, वह वास्तव में असाधारण है। टूर्नामेंट में चुनौतियों का सामना करना और मजबूती के साथ प्रदर्शन करना, असाधारण और प्रेरणादायक है। आप लड़कियों पर बेहद गर्व है, आपने भारत को गौरवान्वित किया है। आप देश और दुनिया के लिए इतिहास फिर से लिखते रहें, बधाई हो!

जर्मनी,ब्राजील सरीखे दिग्गज जमींदोज

अनूठा है इस बार का महिला फुटबॉल विश्व

लॉस एंजलिस , 05 अगस्त 2023। महिला फुटबॉल का महासमर इस बार कई मायने में अनूठा है और इसने खेल के वैश्विक मानचित्र में बदलाव का सूत्रपात कर दिया जब जर्मनी, ब्राजील और कनाडा जैसे दिग्गज विश्व कप से बाहर हो गए। आश्चर्यों से भरे विश्व कप में सबसे बड़ा उलटफेर तब देखा गया जब दुनिया की दूसरे नंबर की टीम और दो बार की विश्व कप विजेता टीम जर्मनी अपने इतिहास में पहली बार ग्रुप चरण में बाहर हो गई। इसके अलावा कोपा अमेरिका चैंपियन ब्राजील और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कनाडा ने टूर्नामेंट के पहले चरण में बाहर होकर फुटबॉल के प्रशंसकों को सोचने पर मजबूर कर दिया। टूर्नामेंट में मोरक्को, दक्षिण अफ्रीका और जमैका ने अलग इतिहास रचते हुए नॉकआउट चरण में जगह बनाई है। अमेरिका को वर्ष 2015 और 2019 में विश्व कप विजेता बनने के दौरान कोचिंग देने वाली जिल एलिस ने कहा, अगर मैं साफ तौर पर कहूं तो मैं सच में आश्चर्यचकित हूं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जब आप अचानक जर्मनी और ब्राजील जैसी टीमों को विश्व कप से ग्रूप चरण के दौरान बाहर होते हुए देखते हो, तो मुझे नहीं लगता हम में से किसी ने ऐसा अनुमान लगाया होगा। दुनिया की नंबर एक टीम अमेरिका कभी भी तीसरे स्थान से नीचे नहीं रही। पूर्व चैम्पियन रही अमेरिकी टीम नॉकआउट चरण में तो पहुंच गई है लेकिन बहुत कमजोर दिख रही है। पांचवें स्थान पर काबिज फ्रांस का भी यही हाल है। महिला फुटबॉल में बढ़ती समानता ने विश्व कप के ग्रुप चरण को रोमांचक बना दिया है, जिसमें बृहस्पतिवार का दिन उलटफेर से भरा रहा। मोरक्को ने कोलंबिया को

1-0 से हराया जबकि दक्षिण कोरिया ने जर्मनी के साथ मुकाबले को 1-1 पर ड्रा कर दिया। जर्मनी का इस मुकाबले के साथ विश्व कप का सफर समाप्त हो गया।

एसोसिएटेड प्रेस ने कुछ कारकों पर नजर डाली जिससे सामने आया कि कैसे पारंपरिक दिग्गज टीमों और कमजोर टीमों के बीच अंतर कम हो रहा है। जमैका ने उद्घाटन मुकाबले में फ्रांस को एक भी गोल नहीं करने दिया और मैच गोलरहित ड्रा हो गया। यही तरकीब उसने जर्मनी के खिलाफ भी लगाई। जमैका के कोच लॉर्न डोनाल्डसन ने कहा, मुझे लगता है कि छोटे देश भी आगे बढ़ रहे हैं और कह रहे हैं कि हम भी यह कर सकते हैं। फुटबॉल टीमें समझदारी से काम कर रही हैं जिसका उदाहरण यह है कि जमैका ने तीन ग्रुप मैचों के बाद अभी तक अपने खिलाफ एक भी गोल नहीं खाया है। इस पर एलिस ने कहा, उन टीमों को तोड़ना कठिन है जो जिसके खिलाड़ी संगठित हैं। फिटनेस की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मैदान पर छोटी टीमें अलग ही ऊर्जा के साथ प्रदर्शन कर रही हैं।

महिला फुटबॉल में लगातार विकास भी देखा जा रहा है। 'फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन' (फीफा) ने कहा है कि उसने महिलाओं के खेल में एक अरब डॉलर का निवेश किया है और 211 सदस्य संघों में लगभग 168 विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। महिला विश्व कप के नए प्रारूप को भी कुछ हद तक खेल में समानता का कारण माना जा सकता है। वर्ष 2019 में टूर्नामेंट को 24 टीमों से बढ़ाकर 32 करने के फैसले पर संदेह था कि इससे अधिक एकतरफा खेल होंगे और मैचों के रोमांच में कमी आएगी। इस बार महिला विश्व कप ने इस संदेह को भी दूर कर दिया।

नेपाल के पूर्व कप्तान ज्ञानेंद्र मल्ला ने लिया अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

काठमांडू , 05 अगस्त 2023। नेपाल के पूर्व कप्तान ज्ञानेंद्र मल्ला ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।

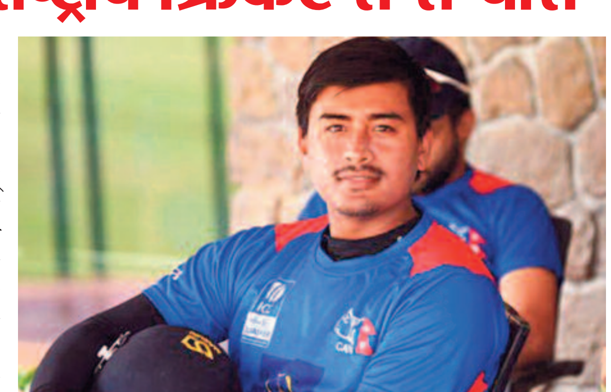

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 2014 में डेब्यू करने वाले ज्ञानेंद्र मल्ला ने अपने नौ साल के करियर के दौरान 37 वनडे और 45 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने वनडे में सात अर्धशतकों के साथ 876 रन बनाए, जबकि टी20 में उन्होंने 120.29 की स्ट्राइक रेट से एक शतक और दो अर्द्धशतक के साथ 883 रन बनाए।

मल्ला ने ट्विटर पर एक बयान में कहा, भारी लेकिन बेहद आभारी दिल से, मुझे लगता है कि अब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से अपनी छुट्टी की घोषणा करने का सही समय है। स्थानीय स्तर पर खेलने से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर खेलने तक, मैंने इस खेल के जरिए बहुत कुछ सीखा।मल्ला ने 10 एकदिवसीय मैचों में की जिनमें से उन्होंने छह जीते। टी-20 में टीम ने उनके नेतृत्व में 12 में से 9 मैच जीते। वह नेपाल के लिए एकदिवसीय मैचों में अर्धशतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी थे। उन्होंने 2018 में नीदरलैंड के खिलाफ देश के पहले मैच में यह कारनामा किया था।इस बल्लेबाज ने 2006 और 2008 में दो अंडर-19 विश्व कप में भी नेपाल का प्रतिनिधित्व किया।

पेप गार्डियोला ने मैन सिटी में जोस्को ग्वार्डिओल का मेडिकल टेस्ट होने की पुष्टि की

लंदन , 05 अगस्त 2023। मैनचेस्टर सिटी 7.8 करोड़ पाउंड की फीस पर आरबी लीपज़िग से क्रोएशियाई सेंट्रल डिफेंडर जोस्को ग्वार्डिओल के साथ अनुबंध पूरा करने की कगार पर है।

सिटी कोच पेप गार्डियोला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की कि क्रोएशियाई खिलाड़ी अनुबंध की औपचारिकताओं के लिए यहां आया है और उस समय उसका मेडिकल हो रहा था।

जोस्को ग्वार्डिओल का जिक्र करते हुए कोच ने कहा कि वो एक मेडिकल परीक्षण से गुजर रहा है। हर कोई जानता है कि वह यहां है, इसलिए उम्मीद है कि हम जल्द ही करार पूरा कर सकते हैं।

कप फाइनल में सबको प्रभावित करने वाले 21 वर्षीय डिफेंडर इस प्रीमियर लीग के दूसरे सबसे महंगे डिफेंडर हैं। इससे पहले 2019 में हैरी मैगुइरे के लिए मैनचेस्टर यूनाइटेड ने लीसेस्टर सिटी को आठ करोड़ पाउंड का भुगतान किया था।

इस खिलाड़ी के आने का मतलब यह भी है कि क्लब आयमेरिक लापोर्टे को छोड़ सकता है।

पहले टी20 में धीमी ओवर गति के लिए भारत, वेस्टइंडीज पर लगा जुर्माना

तारौबा, 05 अगस्त 2023। त्रिनिदाद और टोबैगो के तारौबा में ब्रायन लारा क्रिकेट स्टेडियम में पहले टी20 मैच में धीमी ओवर गति के लिए भारत और वेस्टइंडीज पर जुर्माना लगाया गया है। भारत पर न्यूनतम ओवर गति से एक ओवर कम होने के कारण मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया, जबकि वेस्टइंडीज पर न्यूनतम ओवर गति से दो ओवर कम रहने के कारण मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के रिची रिचर्डसन ने हार्दिक पांड्या और रोवमैन पॉवेल की टीमों को समय भत्ते पर विचार करने के बाद लक्ष्य से क्रमशः एक और दो ओवर कम होने के कारण यह सजा दी। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों को उनकी टीम द्वारा आवंटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

पांड्या और पॉवेल ने प्रस्तावित प्रतिबंधों को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। मैदानी अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट और पैट्रिक गुस्टर्ड, तीसरे अंपायर निगेल डुगुइड और चौथे अंपायर लेस्ली रीफ़र ने आरोप लगाए।

वेस्टइंडीज ने यह मैच नजदीकी अंतर से जीता और अब उसके पास पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हो गयी है और वह रविवार को गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में भारत के खिलाफ दूसरा टी20 मैच खेलेगी।

फिल्म घूमर का ट्रेलर जारी, एक हाथ से क्रिकेट खेलती दिखीं सैयामी

अभिषेक बच्चन पिछले कुछ समय से फिल्म घूमर को लेकर चर्चा में हैं।

पिछली फिल्मों में उनके काम को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों से भी सराहना मिली है। यही वजह है कि घूमर से भी दर्शकों को बड़ी उम्मीदें हैं। वैसे भी फिल्म के निर्देशक आर बाल्की हैं, जो चीनी कम, पा और पैडमैन जैसी बेहतरीन फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।फिल्म में सैयामी खेर भी मुख्य भूमिका में हैं। उनकी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

ट्रेलर से साफ है कि फिल्म में सैयामी अपना दाहिना हाथ खो देती हैं और फिर बाएं हाथ से क्रिकेट के मैदान में उतरती हैं। अभिषेक उनके कोच बन उनकी हौसलाअफजाई कर रहे हैं। उनकी डायलॉग डिलिवरी कमाल की है।दिव्यांग क्रिकेटर बनीं सैयामी की अदाकारी भी देखने लायक है। फिल्म की कहानी क्रिकेट के आसपास बुनी गई है। ट्रेलर में सैयामी की दादी बनीं शबाना आजमी भी दिखी हैं, वहीं इसमें अमिताभ बच्चन की झलक भी दिखाई गई है।

फिल्म हंगरी के दाएं हाथ के निशानेबाज दिवंगत कैरोली टैकस की कहानी से प्रेरित है, जिन्होंने अपने दूसरे हाथ के गंभीर रूप से घायल होने के बाद अपने बाएं हाथ से 2 ओलंपिक स्वर्ण पदक जीते। राहुल सेनगुप्ता और ऋषि विरमानी फिल्म के लेखक हैं।अभिषेक और सैयामी को भले ही आप किसी फिल्म में पहली बार साथ देखेंगे, लेकिन वेब सीरीज ब्रीदः इनटू द शैडो में दोनों पहले ही साथ काम कर चुके हैं।यह एक क्राइम ड्रामा थ्रिलर सीरीज थी, जो 2020 में आई थी। इसके 2 सीजन आ चुके हैं और दोनों ही सीजन में अभिषेक और सैयामी को देखा जा चुका है। अमेजन प्राइम वीडियो पर यह सीरीज खूब देखी गई थी।बता दें कि इस फिल्म की घोषणा अभिषेक ने पिछले साल 5 फरवरी को अपने जन्मदिन के मौके पर की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भगवान गणेश की तस्वीर के सामने रखे एक क्लैपबोर्ड की तस्वीर साझा की, जिस पर घूमर लिखा हुआ था।अभिषेक ने लिखा, इससे बेहतर जन्मदिन का तोहफा कोई नहीं हो सकता। जन्मदिन पर काम कर सबसे अच्छा दिन बिताया जाता है। घूमर की शूटिंग शुरू हो गई है।इस फिल्म में अंगद बेदी भी नजर आएंगे।इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में घूमर का प्रीमियर होने वाला है। यह फेस्टिवल 12 अगस्त से शुरू होगा और इसकी शुरुआत घूमर की स्क्रीनिंग के साथ ही होगी। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है और मेलबर्न को स्पोर्ट्स का मक्का कहा जाता है। घूमर के जरिए एक शारीरिक रूप से अशक्त खिलाड़ी की प्रेरणादायी यात्रा दर्शकों के बीच आएगी।फिल्म के अंतरराष्ट्रीय प्रीमियर सभी कलाकार और निर्देशक अपनी खुशी जाहिर कर चुके हैं।

देसी अंदाज में माहिरा शर्मा ने फैंस के दिलों को यूं किया घायल

कमर में साड़ी का पल्लू अटकाकर दिखाई अदाएं

टीवी इंडस्ट्री में अपनी एक्टिंग का लौहा मनाने वाली माहिरा शर्मा, पंजाबी इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेसेस में से एक हैं। माहिरा ने बिग बॉस के घर में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। शो में एक्ट्रेस का नाम पारस छाबड़ा संग भी जुड़ा था। पारस छाबड़ा से ब्रेकअप के बाद से ही माहिरा अपने कातिलाना अंदाज और अपने बोल्ड लुक्स से फैंस को दीवाना बनाए हुए हैं। माहिरा ने हाल में अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की है, जिनमें उनका देसी लुक देखने के बाद फैंस अपना होश खो बैठे हैं। माहिरा शर्मा ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें वो काफी खूबसूरत और ग्लैमरस लग रही हैं। माहिरा शर्मा के देसी लुक और किलर अदाओं को देखन के बाद उनके फैंस के होश तक उड़ गए और उनकी इन तस्वीरों ने इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। अपनी इन लेटेस्ट फोटोशूट में माहिरा शर्मा सिंपल ब्लैक साड़ी में कहर ढाने के साथ-साथ बेहद हसीन लग रही हैं।

माहिरा सिंपल ब्लैक साड़ी, पर्पल ब्लाउज के साथ माथे पर काली बिंदी और हाथों में चूड़ियां पहने हुए है और उनकी ये तस्वीरें कहर बरपा रही हैं। ग्लॉसी मेकअप के साथ कमर में साड़ी का पल्लू अटकाकर माहिरा शर्मा अंगड़ाई लेते हुए हॉटनेस का तड़का लगाया। सिंपल चोटी...ब्लैक कलर की साड़ी और पर्पल ब्लाउज में माहिरा शर्मा बला की खूबसूरत लग रही हैं। माहिरा शर्मा की कातिलाना अदाएं फैंस को मदहोश कर रही हैं और उनका देसी लुक में यह अंदाज देखने लायक हैं। इंस्टाग्राम पर माहिरा शर्मा की ये तस्वीरें आते ही छा गई, जिन पर उनके फैंस जमकर अपना प्यार लुटा रहे हैं। इन तस्वीरों में माहिरा एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं और उनके फैंस को उनका ये लुक बेहद पसंद आ रहा है।

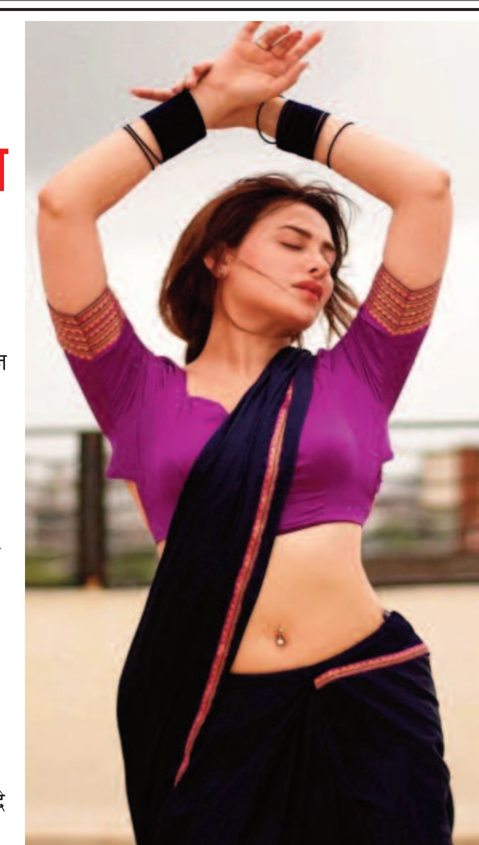

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को 73 वीं किश्त ट्रांसफर की

सीएम भूपेश बोले-गोधन न्याय योजना को सिर्फ छत्तीसगढ़ नहीं बल्कि देश भर में मिल रही सराहना

रायपुर,05अगस्त2023(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को अपने निवास कार्यालय में गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को 73वीं किश्त के रूप में 15 करोड़ 29 लाख रुपए की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 14-31 जुलाई 2023 तक गोठानों में गोबर विक्रय करने वाले ग्रामीण पशुपालक किसानों को 5 करोड़ 60 लाख रुपए और गोठान समितियों एवम महिला स्व-सहायता समूहों को 9 करोड़ 69 लाख रुपए की राशि जारी की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत तीन वर्षों में गोधन न्याय योजना ने अद्वितीय सफलताएं हासिल की है। इस योजना को न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि देश भर में सराहा गया है। देश के अनेक राज्यों ने हमारा अनुशरण करके इस तरह की योजना लागू की हैं। इस योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूह की बहनें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनी है। गोबर विक्रेताओं और गोठान समितियों ने अच्छी आय अर्जित की है। किसान भाईयों में पशुपालन को लेकर रूचि बढ़ी है।

सीएम बघेल ने कहा कि बीते कई महीनों से देखा जा रहा है कि गोबर खरीदी में भुगतान की जाने वाली राशि में से 60 से 70 प्रतिशत राशि गोठान समितियों की ओर से स्वयं की जमा पूंजी से की जा रही है। यह गोठान समितियों की सक्रियता और उनकी मेहनत का फल है। गोठानों में अभी भी 4.83 लाख क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट उपलब्ध है। मैं सभी किसान भाईयों से अपील करता हूं कि वे खेतों में ज्यादा से ज्यादा जैविक खाद का इस्तेमाल करें।

38 लाख हेक्टेयर में हो गया बोनी का कार्य

कार्यक्रम में कृषि मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि करीब 38 लाख हेक्टेयर में बोनी का कार्य हो गया है। खेतों में बियासी और रोपाई का कार्य चल रहा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि इस बार भी किसान अच्छा उत्पादन करेंगे। छत्तीसगढ़ में किसान शासकीय योजनाओं का भरपूर लाभ ले रहे हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है।

राज्य में 10,278 गोठान निर्मित और संचालित

उल्लेखनीय है कि गोठानों में गोबर खरीदी में स्वावलंबी गोठानों की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। गोबर विक्रेताओं को होने वाले 5.60 करोड़ रुपए के भुगतान में से मात्र 2.29 करोड़ रुपए का भुगतान शासन की ओर से किया गया, जबकि 3.31 करोड़ रुपए का भुगतान स्वावलंबी गोठान स्वयं की राशि से किया। राज्य में 10,278 गोठान निर्मित और संचालित हैं, जिसमें से 5985 गोठान पूरी तरह से स्वावलंबी हो चुके हैं। स्वावलंबी गोठानों ने अब तक 70.27 करोड़ रुपए का गोबर पशुपालक किसानों से स्वयं की राशि से किया है।

हितग्राहियों को अब तक किया जा चुका 541.66 करोड़ रुपए का भुगतान

गौरतलब है कि, आज किसानों को राशि अंतरित करने के बाद गोधन न्याय योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को 541.66 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में अब 128.34 लाख क्विंटल गोबर की खरीदी हो चुकी है। इसमें से 125.54 लाख क्विंटल गोबर खरीदी की एवज में गोबर विक्रेताओं को 250.08 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। आज 5.60 करोड़ रुपए के भुगतान के बाद गोबर खरीदी के एवज में अब तक राशि 255.68 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। गोठानों समितियों एवम महिला स्व-सहायता समूहों को 257.29 करोड़ रुपए के भुगतान किया जा चुका है। आज 9.69 करोड़ रुपए के भुगतान के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 266.98 करोड़ रुपए हो गया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह, प्रबंध संचालक गोधन न्याय मिशन डॉ. अयाज फकीर भाई तम्बोली, राज्य नोडल अधिकारी रीपा गौरव सिंह, संचालक कृषि एवम पशुधन चंदन त्रिपाठी, उप सचिव तूलिका प्रजापति, संचालक उद्यानिकी मातेश्वरन, राज्य नोडल अधिकारी एनआरएलएम पद्मिनी भोई साहू और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

समीर बिश्नोई और सुनील अग्रवाल सहित अन्य की रिमांड 23 अगस्त तक बढ़ी

रायपुर,05अगस्त 2023(ए)। आज शनिवार को कोल घोटाले मामले के सूर्यकांत तिवारी, समीर विश्नोई, सुनील अग्रवाल सहित अन्य को कोर्ट में पेश किया गया। जिसके बाद सभी की न्यायिक रिमांड 23 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही कोल कंपनियों को नोटिस जारी करने के लिए ईडी को कोर्ट ने पेश करने के निर्देश दिए हैं। सुनील अग्रवाल की दो और सूर्यकांत तिवारी की एक कंपनी को कोर्ट में पेश होने के निर्देश दिए हैं।

बता दें विशेष न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की कोर्ट ने रानू साहू की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोयला घोटाले में जेल जाने के बाद राज्य शासन ने आइएएस रानू साहू को निलंबित कर दिया है। कोयला घोटाले में समीर बिश्नोई के बाद रानू साहू दूसरी आइएएस हैं, जिन्हें निलंबित किया गया है। रिमांड के दौरान ईडी के अधिकारी रानू साहू से मिली डायरी, मोबाइल चैट के बारे में पूछताछ कर चुके है। कोल के अवैध परिवहन मामले में अब तक चार अफसरों सहित कुल 14 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

ईडी के जवाब के बाद रानू साहू की जामनत याचिका खारिज, 18 अगस्त को होगी अगली पेशी

निलंबित आईएएस रानू साहू की जमानत याचिका विशेष न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की कोर्ट ने खारिज कर दी है। बता दें कि शुक्रवार को रानू साहू को कोर्ट में पेश किया गया था जिसके बाद विशेष न्यायलय ने 18 अगस्त तक न्यायिक रिमांड बढ़ दी । वहीं सुनवाई के दौरान रानू साहू के वकील द्वारा जमानत आवेदन पर बहस की गई और आज (शनिवार) ईडी द्वारा इस पर जवाब दिया गया। जिसके बाद रानू साहू की जमानत याचिका खारिज कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार विशेष न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की कोर्ट में कोयला घोटाले की आरोपित निलंबित आईएएस रानू साहू की तरफ से जमानत याचिका लगाई गई थी, जिस पर आज शनिवार को सुनवाई हुई रानू साहू की जमानत याचिका खारिज कर दी गई है।

बारिश ने खोली सड़कों पर हुए भ्रष्टाचार की पोल

बाजार,मोहल्लों-कॉलोनियों से लेकर रिंग रोड तक कई सड़कें बह गईं

रायपुर,05अगस्त 2023(ए)। राजधानी में बुधवार और गुरुवार को करीब 36 घंटे की बारिश के कारण शहर की कई सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गयी हैं. बाजारों से लेकर कॉलोनियों और पुराने मोहल्लों के साथ-साथ रिंग रोड जैसी भारी ट्रैफिक वाली सड़कों पर भी कहीं छोटे तो कहीं बड़े गड्ढे हो गए हैं। रिंग रोड के कुछ हिस्सों में गहरे गड्ढों में पानी भरने से सड़कों की गहराई का पता नहीं चलता है। इससे यहां दुर्घटना का खतरा पैदा हो गया है।

सड्डू की अधूरी सड़क का बुरा हाल मोवा से सड्डू और सड्डू से सैंस सेंटर तक जाने वाली सड़क बारिश में बेहद खराब हो गई है. वहां की सड़कों पर गड्ढे होने के कारण लोगों को गाड़ी चलाने में दिक्कत हो रही थी. लोक निर्माण विभाग द्वारा इस सड़क का कार्य अभी तक पूरा नहीं किया जा सका है। इससे वहां के हजारों नागरिक परेशान हैं.

-मालवीय रोड की स्थिति खराब

मालवीय रोड और गोलबाजार की हालत सबसे खराब है, क्योंकि यहां पाइप लाइन बिछाने के साथ-साथ अंडरग्राउंड केबलिंग के लिए बारिश के चरम मौसम में खुदाई की जा रही है। अभी लगातार बारिश के कारण गड्ढों की मिट्टी व गिट्टी बह गयी है, जिससे सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। लगातार बारिश के कारण चंगोराभाठा से महादेवघाट रोड, जल विहार कॉलोनी, तेलीबांधा, रविग्राम, पुजारी नगर, कालीबाड़ी, चौरसिया कॉलोनी, रांवाभाठा समेत कई जगहों पर नाली का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर भर गया। इससे सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। कई स्थानों पर अवैध प्लाटिंग के कारण पानी की निकासी बंद हो गई है।

मतदाताओं का किया गया सम्मान

-दुलारे अंसारी-
रायपुर,05 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश संगठन के आह्वान पर आज रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत माना मंडल क्षेत्र के अन्तर्गत पवन विहार कालोनी एवं अमलीडीह में जाकर नव मतदाताओं से संपर्क कर उनका सम्मान अभिनंदन पत्र देकर किया गया। इस अवसर पर भाजयुमो माना मंडल अध्यक्ष नरेश पिल्ले जी , जिला कार्यसमिति सदस्य चयन जैन सराफ ,सोनू रेलवानी महामंत्री माना मंडलभाजयुमो ,जयंत गट्टनी ,कीर्तन साहू , दुर्गेश साहू उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत सचिवों को लापरवाही पड़ी भारी

» सूचना आयोग ने ठोका 25-25 हजार रुपए का जुर्माना

रायपुर,05अगस्त 2023(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग ने ग्राम पंचायतों के तीन सचिवों पर 25-25 हजार रुपय का जुर्माना लगाया है।आवेदकों को समय पर सूचना नहीं देने और कामों पर लापरवाही बरतने के कारण कार्रवाई की है। सूचना के अधिकार नियम का पालन नहीं करने पर जुर्माना लगाया गया है। राज्य सूचना आयुक्त मनोज त्रिवेदी ने केशकाल जनपद पंचायत(जपं) के डुंडाबेडमा ग्राम पंचायत के सचिव दयानंद भारद्वाज, जपं बलौदा के ग्राम पंचायत करमा के सचिव सीलसर्जन खैरवार और जपं कोरबा के ग्राम पंचायत रजगामार के सचिव और तत्कालीन जन सूचना अधिकारी पर यह जुर्माना लगाया है। इसके बाद उन्होंने संबंधित जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को जुर्माने की राशि वसूल करने को कहा है। इस राशि को शासन के खाते में जमा को कहा है। आयोग को पालन प्रतिवेदन भेजने के भी निर्देश दिए हैं।

25-25 हजार का लगा जुर्माना

बता दें कि डुंडाबेडमा में आवेदक ने तत्कालीन जन सूचना अधिकारी से ग्राम पंचायत से संबंधित आय-व्यय और कैशबुक की फोटो कॉपी मांगा था। जन सूचना अधिकारी के देर से देने पर और आयोग के नोटिस का जवाब भी नहीं दिया था। दूसरी ओर करमा में आवेदक ने वार्षिक लेखा रिपोर्ट मांगी थी। इससे जन सूचना अधिकारी ने सूचना का अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में लापरवाही की है। वहीं रजगामार में आवेदक ने अनुमोदित वार्षिक लेखा की रिपोर्ट की कॉपी मांगी गई। अधिकारी ने 30 दिन में जानकारी नहीं दी। इसके साथ ही प्रथम अपीलीय अधिकारी के भी कोई औपचारिक आदेश पारित नहीं किया। इसलिए राज्य सूचना आयुक्त ने जनसूचना अधिकारियों और ग्राम पंचायत के सचिवों पर 25-25 हजार रुपए की जुर्माना लगाया है।

प्राकृतिक आपदा का मुस्तैदी के साथ सामना कर रहा नगर परिषद डूमरकछार

-अरविंद द्विवेदी-
अनूपपुर,05 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। नगर परिषद डूमर कछार क्षेत्र अंतर्गत बुधवार व गुरुवार को मौसम में अचानक आए बदलाव ने जमकर तबाही मचाई। तेज हवा और बारिश से कई जगह पेड़ गिर गए, साथ ही तेज हवा से टूटे हुए पेड़ बिजली के तारों पर गिरने से बिजली व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई। तेज हवा व बारिश के चलते निकाय अंतर्गत आने वाले कई वार्डो में जगह-जगह पेड़ गिरने से तार और पोल टूटने की घटना हुई है। जिसमे वार्ड नं 15 (स्वामी विवेकानंद) के नजदीक मोड़ पर एवं वार्ड नं 11 (न्यू कॉलोनी पौराधार) मे बिजली के तार पर पेड़ गिरने से झीमर, इन्द्रानगर कॉलोनी व पौराधार की बिजली बंद हो गई थी जिसके कारण लोगों को रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। उक्त घटना की जानकारी प्राप्त होते ही अगली सुबह नगर परिषद डूमरकछार के अध्यक्ष सुनील कुमार चौरसिया के मार्गदर्शन पर निकाय के कर्मचारियों ने एसईसीएल टीम का सहयोग करते हुए इस कठिन कार्य को पूरा किया। परिषद क्षेत्र के विद्युत विभाग से एजाज अहमद, पवन गौतम मुन्नापाल द्वारा पेड़ कि कटाई कर मार्ग से पेड़ हटाकर बिजली निर्बाध रूप दिलाने का कार्य किया जिससे पुनः वार्डो मे बिजली की सप्लाई प्रारंभ हुई ।

वन विभाग की लापरवाही का खामियाजा भुगत रही जनता

नगर वासियों के बताया कि वन विभाग की लापरवाही से ही यह घटना घटित हुई है। अगर समय रहते सूखे पेड़ो की कटाई की गई होती तो यह घटना घटित न होती। जब कि परिषद के द्वारा घरों व बिजली के पेड़ो के आसपास लगे सूखे पेड़ो की कटाई व छटाई के लिए पिछले 1 वर्षों से प्रयास किया जा रहा है। जिले के वन विभाग के मुखिया डीएफओ से कई बार पत्राचार किया गया परन्तु वन विभाग और डीएफओ के कान में जूं तक नहीं रेंग रहा। क्या यह इस प्रकार की किसी अप्रिय घटना के घटने का इंतजार कर रहे है। नगर की बिजली व्यवस्था सुधार के लिए एसईसीएल से अभियंता एके सिंह, फोरमैन ओम प्रकाश सिंह, श्रमिक विजय मोहंती, देवशंकर, शाकिर अंसारी, कर्मचारी दीपक अग्निहोत्री, क्रेन ऑपरेटर थम्बी ने कार्य को अंतिम रूप दिया।

इनका कहना है...

कई ऐसे पेड़ जो रहवासी क्षेत्र में जर्जर हालत में है उन पेड़ों की कटाई और छटाई के लिए वन विभाग की टीम को पत्राचार किया गया था लेकिन इनके कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है अगर भविष्य में किसी प्रकार की घटना घटित होती है तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिले के डीएफओ व वन विभाग टीम की होगी।
सुनील कुमार चौरसिया
अध्यक्ष नगर परिषद डूमरकछार

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)